हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकृति दर्शन

ISSN 2581-8392

Nature and Environment Magazine

निखरता, संवरता, बदलता मुरादाबाद

(मुरादाबाद विकास कार्यों पर विशेषांक)

website

आई.एस.एस.एन. पंजीयन संख्या: 2581- 8392 ● आर एन आई पंजीयन संख्या: UPHIN/2018/76392 ● वर्ष 6 ● अंक 3 ● मई 2026

मुरादाबाद के प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटक स्थल

संविधान साहित्य वाटिका

हनुमान वाटिका

श्रीराम वाटिका

त्रिशूल- भारतीय रक्षा संग्रहालय

खेलो इंडिया पार्क

स्पंदन सरोवर

कंपनी बाग

वेस्ट टू वंडर (भारत दर्शन पार्क)

प्रकृति दर्शन

ISSN : 2581-8392

हिन्दी मासिक पत्रिका

संपादक
बालादत्त

उप संपादक
डॉ. कमला शर्मा

सहायक संपादक
सतीश शर्मा

प्रबंध संपादक
संदीप कुमार शर्मा

वरिष्ठ संपादकीय सलाहकार
सुधींद्र मोहन शर्मा, भूजलविद, पर्यावरणविद

संपादकीय सलाहकार टीम
अजय कुमार तोमर, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (मानद)
संदीप नानावटी, प्रोफेसर, पशु चि. महाविद्यालय (मानद)
डॉ. ललिता पाण्डेय, शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत (मानद)
विवेकवर्धन श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार, (मानद)
कमलेश पाठक, वरिष्ठ पत्रकार

डिजाइनिंग, विज्ञापन एवं प्रचार प्रसार
न्यू सेंस मार्केटिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड
9411229553
E mail : newsense2020@gmail.com

आवरण फोटोग्राफ
फोटोग्राफ पीडी

प्रकृति दर्शन
प्रकृति संरक्षण, संवर्धन का अंकुरण
करने वाली पत्रिका

© सर्वाधिकार सुरक्षित

editorpd17@gmail.com

विशेषांक का मूल्य- 350 (डिजिटल फ्री)

● वर्ष 6 ● अंक 3 ● मई 2026

संपादकीय/विज्ञापन/प्रसार-संपर्क

द्वितीय तल, मकान नंबर 07,
सेक्टर 7 बी, आवास विकास,
बुद्धि विहार, फेज-2, निकट सेंट मेरी स्कूल,
दिल्ली रोड, मुरादाबाद,
उत्तर प्रदेश, पिन कोड - 244001

ईमेल
editorpd17@gmail.com

मोबाइल
8191903651 ▫ 9411229553

वेबसाइट
www.prakritidarshan.com

- न्यू सेंस मार्केटिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। किसी भी रूप में सामग्री की नकल प्रतिबंधित।
- प्रकृति दर्शन बिना आमंत्रित प्रकाशन सामग्री को लौटाने के लिए बाध्य नहीं है।
- सभी विवादों का निपटारा मुरादाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरमों में ही किया जायेगा।
- स्वामी एवं मुद्रक न्यू सेंस मार्केटिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 07/7बी आवास विकास बुद्धि विहार, मुरादाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं मुद्रित।प्रकाशक एवं संपादक :बालादत्त।

NEW SENSE MARKETING SERVICES PRIVATE LIMITED
PRAKRITI DARSHAN
RNI- **UPHIN/2018/76392**
ISSN **: 2581-8392**

विवरण

1.	मुरादाबाद विकास के सूत्रधार	09
2.	त्रिशूल-भारतीय रक्षा संग्रहालय	10
3.	संविधान साहित्य वाटिका	14
4.	हनुमान वाटिका-भावमय भक्ति की स्थली	22
5.	55 साल बाद मंडलीय गजेटियर	26
6.	श्रीराम वाटिका मुरादाबाद	28
7.	स्पंदन सरोवर मुरादाबाद...	32
8.	खेलो इंडिया पार्क	35
9.	वेस्ट अवेयनेस सेंटर	41
10.	स्मार्ट सिटी, स्मार्ट आफिस	43
11.	स्वच्छ वायु सर्वेक्षण...	44
12.	उदीषा चौपाला साहित्योत्सव 2026	45
13.	कचरा निपटान को लेकर मुरादाबाद...	49
14.	कंपनी बाग	51
15.	मुरादाबाद की आईएसओ प्रमाणित गौशाला	56
16.	जीरो पाइंट पर प्रवेश द्वार	58
17.	शहर के साथ निखरे चौराहे	59
18.	वेस्ट टू वंडर-भारत दर्शन पार्क	61
19.	हरित न्याय के प्रहरी...ग्रीन जजमेंट ऑफिसर...	67
20.	हर स्कूल हरियाली	69
21.	मार्ग भी दमके, बीच रोड हरियाली	71
22.	उत्तर रेलवे मुरादाबाद का हरित कैंपस	72
23.	मुरादाबाद के सुनियोजित विकास का संकल्प	73

संवरा और निखरा अपना मुरादाबाद

बालादत्त
संपादक, प्रकृति दर्शन

पीतल नगरी के तौर पर वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले मुरादाबाद ने अपने आप को बदल लिया है, अब मुरादाबाद बदल गया है, निखर गया है, संवर गया है, एक खूबसूरत नगर के तौर पर तेजी से उभर रहा है। पीतल की कारोबारी और हुनरमंद चमक वाली पहचान के साथ ही अब यह नगर स्वच्छता और सुंदरता के तौर पर जाना जा रहा है। यहां बहुत सा बदलाव हुआ है जिसे देखने के लिए आपको मुरादाबाद आना चाहिए, आप समझ पाएंगे कि समस्याओं और परेशानियों से घिरे मुरादाबाद ने कैसे अपने आप को बदला और स्वच्छ और सुंदर शहरों की कतार में जा खड़ा हुआ है।

मौका है कि हम मुरादाबाद के विकास कार्यों पर केंद्रित इस विशेषांक के प्रकाशन के साथ वह सब देख, समझ और समझा पाएं जो हमने महसूस किया है। यह अंक कई मायनों में महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जानते हैं कि किसी भी नगर के विकास के लिए तैयार होने का आशय है कि वह समग्र तौर पर एकजुट होकर एक लक्ष्य में जुट गया है जैसा कि मुरादाबाद ने कर दिखाया है।

बात कुछ वर्षो पूर्व के मुरादाबाद की अवश्य की जानी चाहिए क्योंकि इसके उत्कर्ष को समझने के पहले इसके दर्द को छूकर देखना अनिवार्य है। एक समय था जब मुरादाबाद देश के उन नगरों में शामिल था जहां समस्याओं की भरमार थी। नगर में बस से दाखिल होने वालों के लिए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन तक पहुंचने का मतलब था कि परेशानियां और संघर्षभरा लंबा जाम। थके और परेशान लोगों के लिए संकरे रोड मुसीबत थे, सिंगल रोड पर बार-बार जाम लगता। नगर में दाखिल होने के पर सौंदर्य के जैसा कुछ नहीं था, एक पहचान नगर ने पाई है पीतल नगरी के तौर पर लेकिन उसकी चमक यहां की परेशानियों के कारण अब तक धुंधला रही थी, एक सामान्य नगर जहां कदम दर कदम समस्याएं और परेशानियां भरी पड़ी थीं। सफाई से लेकर बाकी व्यवस्थाएं भी चुनौती से कम नहीं थीं। सिंगल लोको ओवर ब्रिज पर रोज घंटों जाम और हर दिन की चुनौतियां, साथ में दुर्घटनाएं...। ब्रिज को पार करने के बाद फव्वारा चौक पर अनियंत्रित यातायात संकट बनता था। चौराहे थे लेकिन वाहनों की रेलमपेल थी, मुश्किलें ही मुश्किलें थीं। जब भी बात देश के स्वच्छ शहरों की होती थी तब यहां के नगरवासी हमेशा विकास की वाट जोहते और बदलाव का इंतजार किया करते थे।

बहरहाल समय बदला और विकास के लिए समग्र रणनीति और विचार एकमत हुए। नगर विकास का प्लान सर्वोपरि रखकर उसके लिए नेता और अधिकारी सहर्ष प्रयासों में जुट गए। यह निखरा हुआ मुरादाबाद समन्वित प्रयासों का नतीजा है।

बात करें सुधार और विकास की तो क्या बदला है यह विशेषांक इसी पर केंद्रित है, इसमें आप पाएंगे और तस्वीरों के माध्यम से देखेंगे कि मुरादाबाद अब कैसा है, उसका सौंदर्य कैसे निखर उठा है। पीतल की चमक लिए इस नगर के पास अपनी वैभवशाली विरासत मौजूद है, बर्तनों पर इतनी बारीक हाथ की कारीगरी केवल यहीं संभव है और इसी ने दुनिया को दीवाना बना रखा है, एक्सपोर्ट हब के तौर पर मुरादाबाद वैसे पूरी दुनिया में जाना जाता है लेकिन अबकी यहां का सौंदर्यीकरण, प्रदूषण और खस्ताहाल पर्यावरण पर सुधार की राह बनाने के प्रयास किए गए हैं। हरियाली के साथ उजाड़ बगीचों ने नया चेहरा पाया है। न केवल वे पहचान पा रहे हैं वरन उनके माध्यम से संस्कृति और ज्ञान भी सहज ही मिल पा रहा है। सड़कों पर अब सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात है, भारी वाहनों के नगर में दाखिल होने का समय निर्धारित है, चौराहे खूबसूरती से दमक रहे हैं, स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट में नगर निखर रहा है, संवर रहा है।

हम इस विशेषांक में मुरादाबाद के विकास कार्यो को प्रमुखता से शामिल कर रहे हैं ताकि धारणाएं बदलें, पीतल नगरी की चमक में चार चांद लगें, जो लोग कारोबार को लेकर यहां से पूर्व के वर्षो में जुड़े थे लेकिन समस्याओं और अव्यवस्थाओं के कारण दूर हो गए थे वह दोबारा यहां लौटें और मुरादाबाद के साथ विकास राह चल पडें...। इस निखरते और संवरते मुरादाबाद को तैयार करने में समन्वित प्रयास हुए हैं। विभागीय समन्वय सराहनीय कहा जाना चाहिए। मुरादाबाद के विकास के लिए नगर निगम मुरादाबाद, आवास विकास परिषद, उत्तर प्रदेश, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन मुरादाबाद, मंडलायुक्त कार्यालय मुरादाबाद, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि इन्हीं के कारण मुरादाबाद ने पर्यटन और खूबसूरती में यह नई जगह बनाई है।

आखिर में नगरवासियों से निवेदन कि अपने निखरते और संवरते मुरादाबाद को और बेहतर होने में इसे स्वच्छ बनाए रखने में अपनी भूमिका भी अवश्य निभाएं...।

(फोटोग्राफ- नगर निगम एवं प्रकृति दर्शन)

आभार...

बालादत्त, संपादक,
प्रकृति दर्शन, राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

संपादकीय

अ0शा0 पत्र सं0 ....

आञ्जनेय कुमार सिंह

आई.ए.एस.

आयुक्त
मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद

दूरभाष : 0591 (कार्यालय) 2413586
(निवास) 2426644
फैक्स 2435315
मोबाइल 94544 17506
ई–मेल commmor@nic.in

दिनांक 20/05/2026

संदेश

भारतीय परम्परा के प्रत्येक उत्सव में प्रकृति के पूजन की परम्परा है, क्योंकि भारतीय मनीषियों ने सभ्यता की निरन्तरता को प्रकृति के साथ तारात्म्य में ही देखा और उसी के अनुरूप जीवन ढालने के सूत्र विकसित किए। समय के साथ जैसे–जैसे प्रकृति के संतुलन को व्यवधानित किया गया, मानव ने उसके परिणाम के रूप में उसकी विभीषिका झेली है। यह सदैव एक बहस का विषय रहा है कि विश्व की विशाल जनसंख्या के हित और आवश्यकताओं के अनुरूप प्रकृति के साथ बिना छेड़छाड़ किए विकास संभव नहीं है। इसलिए आवश्यकताओं के अनुरूप विकास को प्राथमिकता दी गई, जिसका दंश अक्सर विश्व के हर कोने में समाज के किसी न किसी भाग को झेलना पड़ता है।

प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हुए विकास कार्य उतना भी कठिन कार्य नहीं जितना दर्शाया जाता है। बस, मार्ग की खोज आवश्यक है, जो समाज के प्रत्येक व्यक्ति के थोड़े–थोड़े योगदान से संभव है। 'प्रकृति दर्शन' पत्रिका के अवलोकन से यह परिलक्षित होता है कि इस पत्रिका का उद्देश्य समाज को उसी दिशा में सूचना देना और जागरूक करना है। यह एक ऐसा प्रयास है, जिसकी इस समय समाज को सर्वाधिक आवश्यकता है।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ एवं सम्पादक मण्डल को शुभकामनाएं देता हूँ।

(आञ्जनेय कुमार सिंह)
आयुक्त

विनोद अग्रवाल
महापौर
नगर निगम, मुरादाबाद

Ref. 10 Date 16.05.2026

शुभकामना संदेश

ज्ञात ही है कि नगर निगम मुरादाबाद द्वारा जनसुविधाओं, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण को केंद्र में रखते हुए महानगर में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मुरादाबाद महानगर की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एवं पर्यावरणीय गरिमा को सुदृढ़ बनाने हेतु विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का विकास कराया गया है, जिनमें त्रिशूल–भारतीय रक्षा संग्रहालय, स्पंदन सरोवर, श्री हनुमान वाटिका, श्री राम वाटिका, साहित्य संविधान वाटिका, खेलो इण्डिया पार्क तथा प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण ऐतिहासिक कम्पनी बाग प्रमुख व प्रसिद्ध हैं।

इन सभी स्थलों का उद्देश्य केवल सौंदर्यकरण ही नहीं, अपितु समस्त महानगर वासियों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना भी है। 'स्वच्छ मुरादाबाद' एवं 'ग्रीन मुरादाबाद' की हमारी संकल्पना सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals & SDGs) एवं अंतरराष्ट्रीय विकास उद्देश्यों के अनुरूप महानगर मुरादाबाद को एक आधुनिक, पर्यावरण–संवेदनशील एवं जनहितकारी महानगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

मैं मुरादाबाद की सम्मानित जनता से आग्रह करता हूँ कि वे अपने परिवार सहित इन विकसित व सुन्दर स्थलों का भ्रमण कर आनंद प्राप्त करें तथा इनकी स्वच्छता, सुंदरता एवं गरिमा को बनाए रखने में नगर निगम मुरादाबाद का सहयोग करें। यह सम्पूर्ण विकास कार्य जनसामान्य के हितकारी एवं आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित है।

मैं 'प्रकृति दर्शन राष्ट्रीय पत्रिका' की पूरी टीम को विशेष धन्यवाद व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने विशेषांक के माध्यम से नगर निगम मुरादाबाद के विकास कार्यों, हरित पहल एवं जनसेवा के प्रयासों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। आपका यह सकारात्मक दृष्टिकोण अत्यन्त सराहनीय है। हम सदैव आपके साथ हैं एवं भगवान से आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

नगर निगम मुरादाबाद सदैव महानगर के समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण हेतु प्रतिबद्ध रहेगा।

सादर धन्यवाद!

विनोद अग्रवाल (महापौर) नगर निगम मुरादाबाद

विनोद अग्रवाल
(महापौर)
नगर निगम मुरादाबाद।

आवास : प्रभात मार्केट, रामपुर रोड मुरादाबाद (उ0प्र0) - 244001 फोन : 0591-2495051, 9837043502, 9105900600
Email:- mayor.moradabad@gmail.com/ bjpvinodmbd@gmail.com ● visit us : www.vinodagarwal.in

कार्यालय, नगर निगम, मुरादाबाद।

शुभकामना संदेश

मुरादाबाद नगर निगम द्वारा 'स्वच्छ मुरादाबाद, ग्रीन मुरादाबाद' की परिकल्पना को साकार करने हेतु सतत विकास आधारित अनेक जनहितकारी कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। नागरिकों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में त्रिशूल–भारतीय रक्षा संग्रहालय, स्पंदन सरोवर, श्री हनुमान वाटिका, श्री राम वाटिका, साहित्य संविधान वाटिका, खेलो इंडिया पार्क एवं कम्पनी बाग जैसे स्थलों का विकास महत्वपूर्ण एवं सराहनीय प्रयास हैं।

नगर निगम मुरादाबाद ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार करते हुए देश में 131वें स्थान से 10वें स्थान तक की उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। साथ ही, शहर की वायु गुणवत्ता में 60 प्रतिशत से अधिक सुधार दर्ज किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मुरादाबाद ने गत वर्षों में अपनी श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

नगर निगम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं बेहतर शहरी सुविधाओं को बढ़ावा देना है। मैं समस्त नागरिकों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इन सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्य एवं संरक्षण बनाए रखने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

"प्रकृति दर्शन" राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा मुरादाबाद के विकास कार्यों को अपने विशेषांक में स्थान देने का निर्णय अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है। जनजागरूकता एवं विकास सहयोग के क्षेत्र में आपका योगदान सराहनीय है। मुरादाबाद नगर निगम एवं प्रशासनिक सहयोग भविष्य में भी आपके साथ सदैव बना रहेगा।

सादर धन्यवाद

(दिव्यांशु पटेल)आई०ए०एस०
नगर आयुक्त
मुरादाबाद नगर निगम, उत्तर प्रदेश

मुरादाबाद विकास के सूत्रधार

मुरादाबाद मंडल आयुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह (बाएं) एवं नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल (दाएं)। समन्वित प्रयासों से ही लिखी गई मुरादाबाद के विकास की परिभाषा।

त्रिशूल- भारतीय रक्षा संग्रहालय

मुरादाबाद में बुद्धि विहार के पास वेस्ट यूपी का पहला अत्याधुनिक डिजिटल युद्ध स्मारक तैयार किया गया है। 10000 वर्ग मीटर में फैले इस संग्रहालय में मिग-27, टैंक, डीआरडीओ गैलरी और ट्रेंच वॉर के माध्यम से 1947 से अब तक के भारतीय सैन्य शौर्य को प्रदर्शित किया गया है। यह मुरादाबाद नगर निगम द्वारा रक्षा मंत्रालय के सहयोग से तैयार किया गया एक प्रमुख पर्यटक और शैक्षिक स्थल है। यह स्मारक 1947 से लेकर कारगिल और सर्जिकल स्ट्राइक तक के भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदान और वीरता को समर्पित है। रक्षा मंत्रालय के मेजर जनरल आईएस गिल ने त्रिशूल-भारतीय रक्षा संग्रहालय का निरीक्षण भी किया था। मुरादाबाद के मेयर विनोद अग्रवाल का कहना है कि वॉर म्यूजियम भारतीय सेना के बहादुर जवानों को सम्मान देने के उद्देश्य से बनाया गया है। हमारा मानना है कि इस पहल से आने वाली नई पीढ़ी में देशभक्ति, राष्ट्रसेवा और अनुशासन की भावना और अधिक प्रबल होगी।

कैसे पहुंचें-

इस संग्रहालय तक पहुंचाना आसान है, दिल्ली रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप के ठीक सामने से यहां पहुंच सकते हैं, स्टेशन और बस स्टैंड से लगभग ढाई से तीन किमी की दूरी पर यह स्थित है, यहां आने के लिए ऑटो और रिक्शा आसानी से मिल जाती हैं। यह संग्रहालय आवास विकास, बुद्वि विहास फेज 2 में स्थित है।

(पीडी फीचर)

जानकारी विभिन्न विश्वसनीय सोर्स और वेबसाइट से साभार।

टैंक को भी यहां
संग्रहालय में
प्रदर्शित किया
गया है।

मिग- 27 को
भी यहां
संग्रहालय में
रखा गया है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

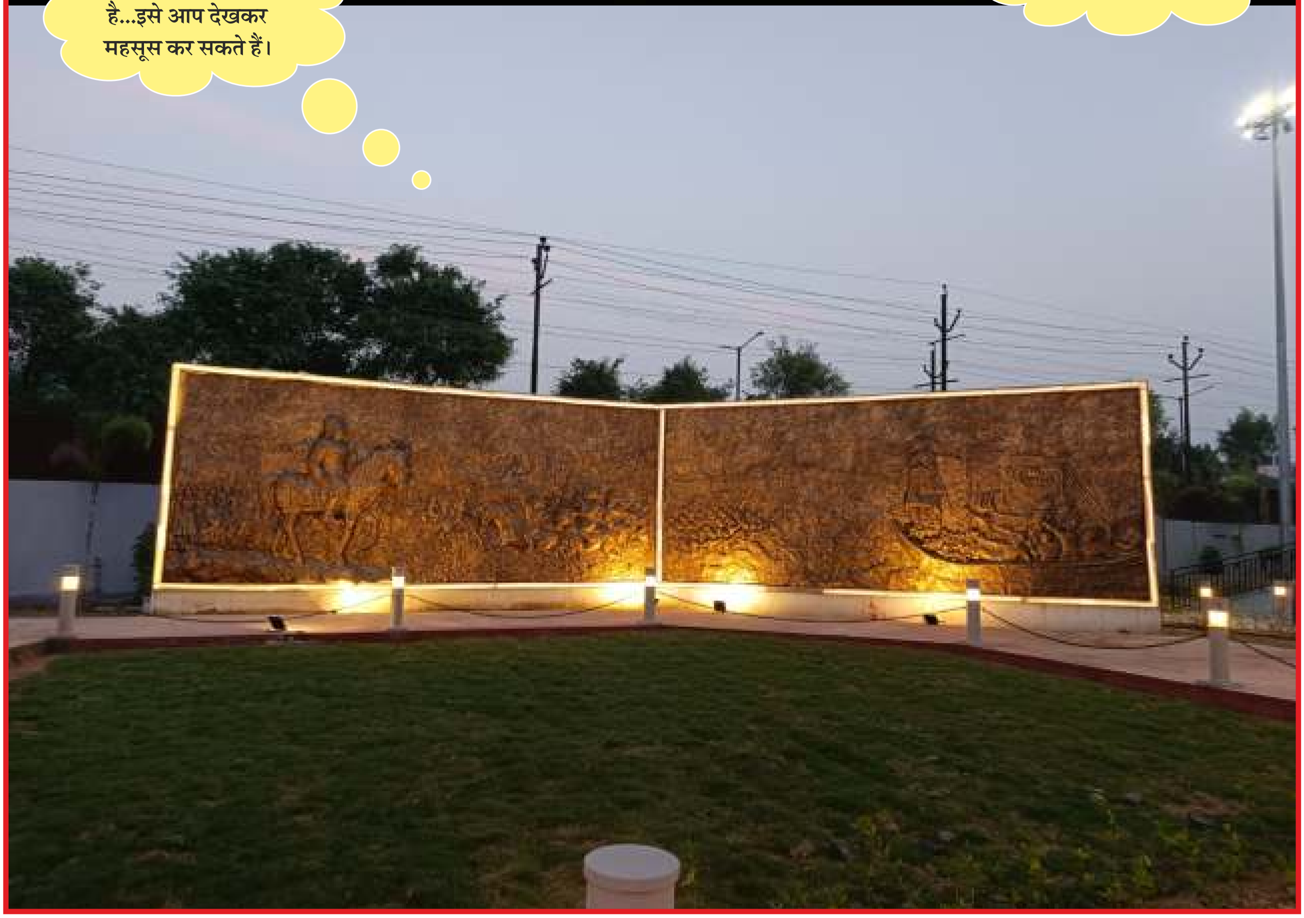

त्रिशूल- भारतीय रक्षा संग्रहालय की बाहरी दीवारों पर भारतीय सेना के शौर्य और जज्बे को इस तरह उकेरा गया है।

संग्रहालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर आपको यह चमचमाती हुई तोप नजर आएंगी, यह आपका ध्यान खीचेंगी। प्रवेश द्वार के दोनों ओर इसी तरह तोप रखी गई हैं।

RNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

संविधान साहित्य वाटिका

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद शहर में स्थित संविधान साहित्य वाटिका भारत का अपनी तरह का अनूठा पार्क है। नगर निगम मुरादाबाद द्वारा विकसित यह वाटिका भारतीय संविधान की यात्रा, उसके मूल्यों और देश की लोकतांत्रिक विरासत को ही पूरी तरह से समर्पित है। इसे नागरिकों, युवा पीढ़ी को उनके मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतंत्र के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से बनाया गया है। लोकार्पण 25 जून 2025 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी द्वारा किया गया। संविधान पार्क को बेहद नायाब बनाया गया है, यहां क्यूआर कोड भी लगे हैं ताकि स्केन कर मोबाइल पर इस संबंध में जानकारी भी ली जा सकती है। बेहद अदभुत और नायाब पार्क है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा भी इस संविधान साहित्य वाटिका का अवलोकन किया गया था।

संविधान साहित्य वाटिका आवास विकास, बुद्दि विहार में स्थित है

खास अवसर- धन्य हुआ नगर

मुरादाबाद के लिए 25 जून 2025 बेहद खास था क्योंकि इस दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी पधारे थे, इस दिन संविधान साहित्य वाटिका का लोकार्पण हुआ था। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, नगर विधायक रितेश गुप्ता, महापौर विनोद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। इस दौरान फीता काटकर लोकार्पण किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष के आगमन से मुरादाबाद नगर धन्य हो गया।

RNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया अवलोकन

संविधान साहित्य वाटिका का प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी अवलोकन किया था। मुख्यमंत्री ने संविधान साहित्य वाटिका में किए गए कार्य की सराहना की, इस दौरान तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, नगर विधायक रितेश गुप्ता, महापौर विनोद अग्रवाल, मुरादाबाद मंडल आयुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

संविधान साहित्य वाटिका में आप अपना नॉलेज भी बेहतर कर सकते हैं, यहां जानकारियां भी हैं और गहरा सुकून भी।

संविधान साहित्य वाटिका में संविधान की प्रतिकृति भी तैयार की गई है।

यहां हरियाली है, शांति और सुकून भी। आप आएंगे तो तरोताजा हो जाएंगे। आप संविधान साहित्य वाटिका में समय निकालकर आईयेगा। यहां लायब्रेरी है और वहां आप सुकून में ज्ञान का अर्जन भी कर सकते हैं।

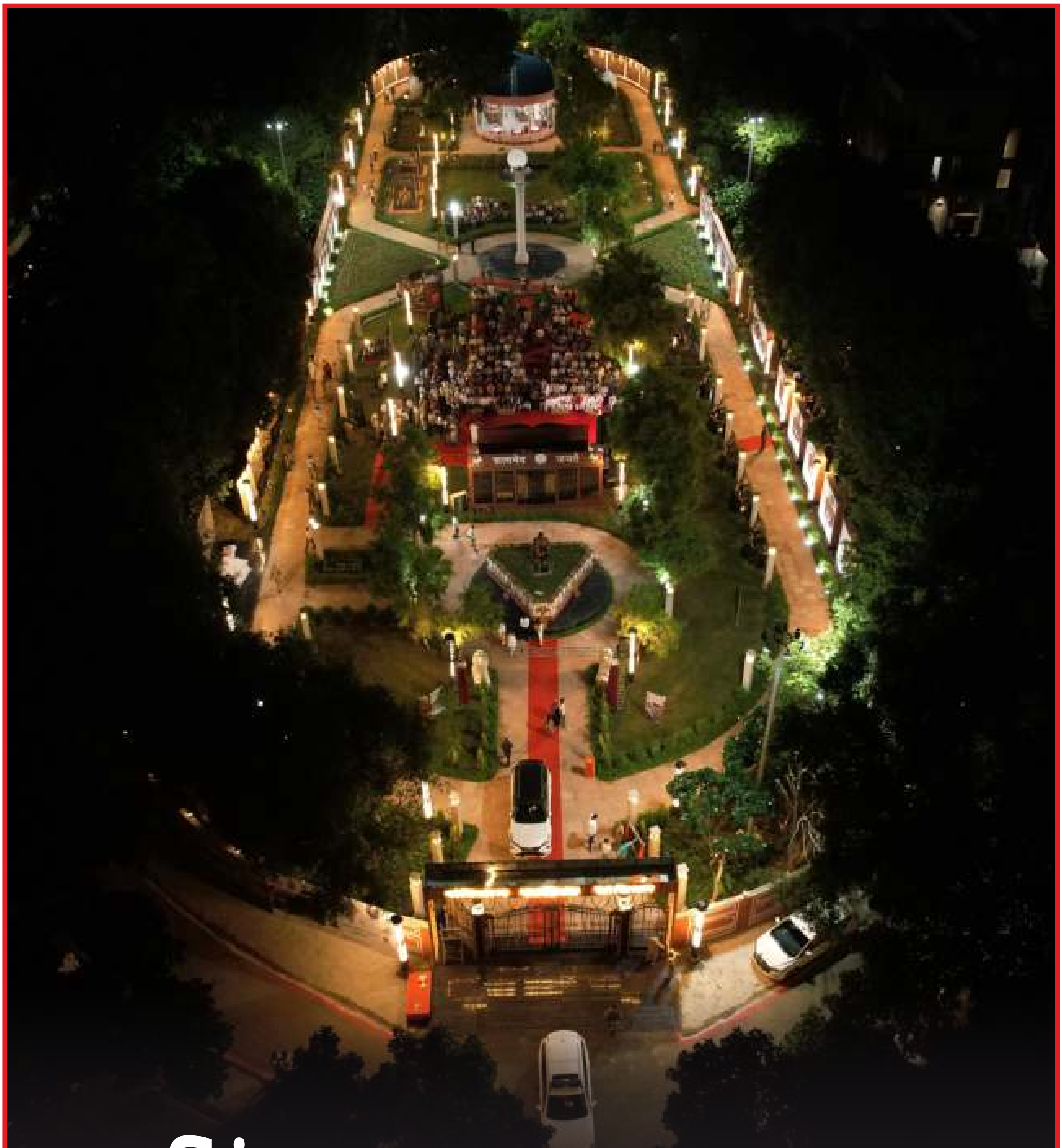

यह विहंगम दृश्य...

देखने में प्रतीत हो रहा है जैसे कोई पानी का जहाज हो...लाइटिंग के बाद संविधान साहित्य वाटिका का नजारा और अधिक निखर उठता है, इसे रात के समय में लाइट की रौशनी में देखना अदभुत अनुभव है। यदि आप इसे देखना चाहते हैं तो आसानी से पहुंच सकते है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से यहां पहुंचने के लिए ऑटो औरा ई रिक्शा उपलब्ध हैं। दिल्ली रोड पर आवास विकास में स्थित यह वाटिका अपने आप में अनूठी है इसे देखिएगा अवश्य।

RNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

हजारों वर्षो की हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को यहां बेहद अच्छे तरीके समझाया गया है, यहां हम जान सकते हैं कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था कितनी पुरातन है।

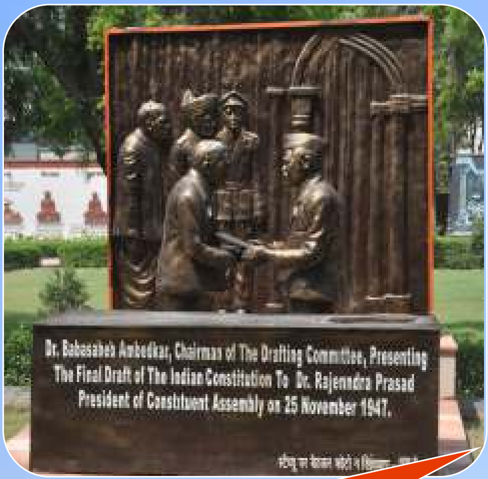

ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी ने 25 नवंबर 1947 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को भारतीय संविधान का अंतिम (ड्राफ्ट) मसौदा प्रस्तुति किया। यह स्टेच्यू उसी महत्वपूर्ण अवसर की याद दिलाता है।

भारत के संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्यों की टीम। संविधान साहित्य वाटिका की खासियत है कि यहां यदि कुछ जानना चाहते हैं तो उसका विवरण यहां आपको सहज ही उपलब्ध हो जाता है।

सौंदर्य और हरियाली से परिपूर्ण संविधान साहित्य वाटिका।

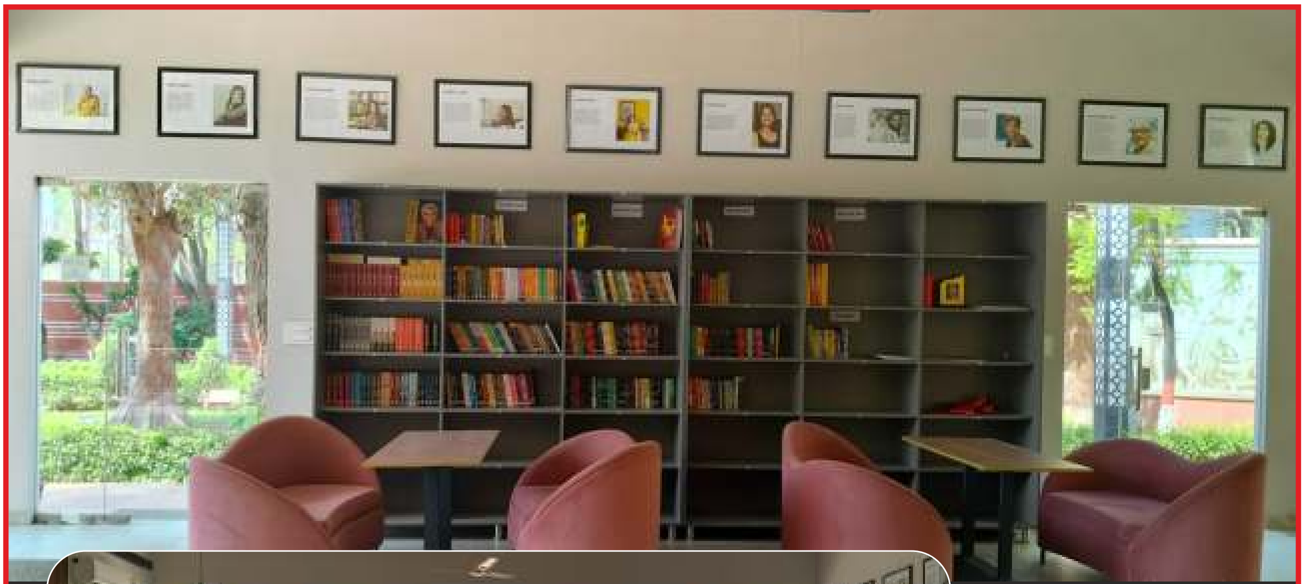

प्रकृति के मौन के बीच एक लायब्रेरी

किताबों से स्नेह करने वालों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण स्थान है, संविधान साहित्य वाटिका शांत माहौल के बीच किताबों का अध्ययन भी किया जा सकता है। यहां एक शानदार और व्यवस्थित लायब्रेरी है जो प्रकृति के मौन के बीच और अधिक गहन होने को प्रेरित करती है। लायब्रेरी के अंदर की खूबसूरती भी देखने लायक है, अच्छी तरह से उसे सजाया और संवारा गया है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

हनुमान वाटिका- भावमय भक्ति की स्थली

हनुमान जी की प्रभु श्रीराम जी के लिए भक्ति अनूठी मानी जाती है, उनके जैसा भक्त और कोई नहीं। यहां हनुमान वाटिका की परिकल्पना को जब साकार रुप में देखा गया तो मन इस भावमय भक्ति की स्थली पर ठहरकर रह जाना सहज ही है। नगर निगम मुरादाबाद द्वारा आवास विकास सेक्टर- 2 में निर्मित हनुमान वाटिका का उदघाटन 20 जुलाई 2025 को प्रदेश के माननीय नगर विकास शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा जी कर कमलों से संपन्न हुआ। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, नगर विधायक रितेश गुप्ता, नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल, विधान परिषद के सदस्य श्री जयपालसिंह व्यस्त, विधान परिषद के सदस्य श्री गोपाल अंजान, मुरादाबाद मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। एक बार अवश्य आईयेगा तब आपको यहां हनुमान जी की विभिन्न प्रतिमाएं नजर आएंगी जिनसे उनकी भक्ति के भाव में आप भी खो जाएंगे। यहां पहुंचने के लिए मुरादाबाद रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से आसानी से ऑटो और ई रिक्शा उपलब्ध है।

हनुमान जी की विशाल गदा आपका ध्यान खींचती है, यह अदभुत है और यहां आना और समय बिताना भक्ति में लीन होने के समान ही है। यहां हनुमान जी के बाल्य अवस्था में किए गए अचरज भरे कार्यों को भी दीवारों पर उकेरा गया है।

हनुमान वाटिका का अवलोकन करते प्रदेश के मंत्री श्री अरविंद शर्मा जी, महापौर श्री विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त श्री दिव्यांश पटेल।

यहां हनुमान जी की प्रतिमाएं आपको नजर आएंगे, उनमें उनके कई सारे भाव नजर आएंगे।
हनुमान वाटिका में एक विशाल गदा की प्रतिकृति आपको नजर आएगी। यह अदभुत है और इसे करीब से देखना अनूठा अनुभव है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

संस्कृति, प्रकृति और भक्ति का के रंग

हनुमान वाटिका की वॉल भी प्रभावी हैं, यह ध्यान खींच रही हैं, हमारी संस्कृति, प्रकृति और भक्ति को प्रदर्शित करते हुए यहां अदभुत आर्ट देखा जा सकता है। यहां शंखनाद हैं, यहां गंगा की आरती है और प्रकृति और भक्ति का समावेश भी है।

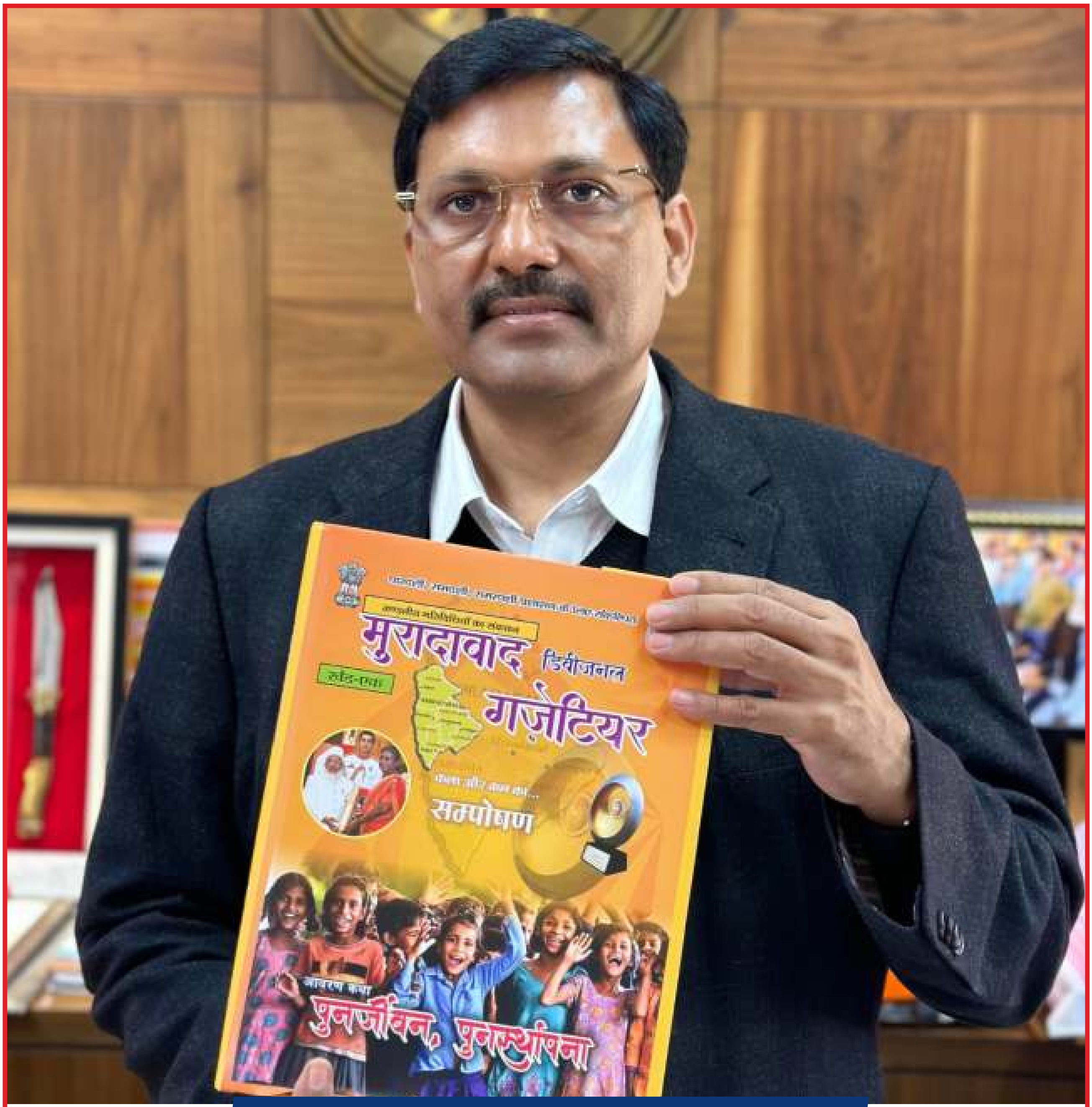

55 साल बाद मंडलीय गजेटियर

मुरादाबाद मंडल को 55 वर्ष के बाद गजेटियर मिला है यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ऐसा बताया जाता है कि वर्ष 2023-24 में यह गजेटियर निकला था इससे पहले वर्ष 1968 में गजेटियर प्रकाशित हुआ था। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बताया इस गजेटियर में मंडल के पांचों जनपदों मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, संभल और रामपुर की सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक संरचना और आर्थिक विकास के साथ-साथ विभिन्न विभूतियों, कलाओं और तथ्यों व आंकड़ों की जानकारी को संकलित किया गया है। ऐसा भी बताया गया है कि किसी भी मंडल में पहली बार गजेटियर का प्रकाशन किया गया है। यह भी बताया गया है कि गजेटियर में गांवो से लेकर शहरों तक का इतिहास उसकी प्रमाणिकता और उनके विकास की यात्रा का भी जानकारी है। मंडल के जिलों के प्रसिद्ध स्थान, प्रसिद्ध व्यवसाय, मुरादाबाद के पीतल हैंडी क्राफ्ट, बिजनौर का लकड़ी का सामान, संभल के हड्डी और सींग के उत्पाद, अमरोहा की ढोलक, रामपुर के वाद्य यंत्र, रजा लाइब्रेरी सहित ऐतिहासिक इमारतें, पुस्तकालय, स्कूल कॉलेज, रेलवे स्टेशन सहित अन्य पुरातन स्थानों को एक साथ संग्रहित किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है इससे निश्चित ही मुरादाबाद मंडल का नाम प्रदेश में रौशन हुआ है।

गजेटियर की प्रतियां महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को भेंट करते हुए मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह जी।

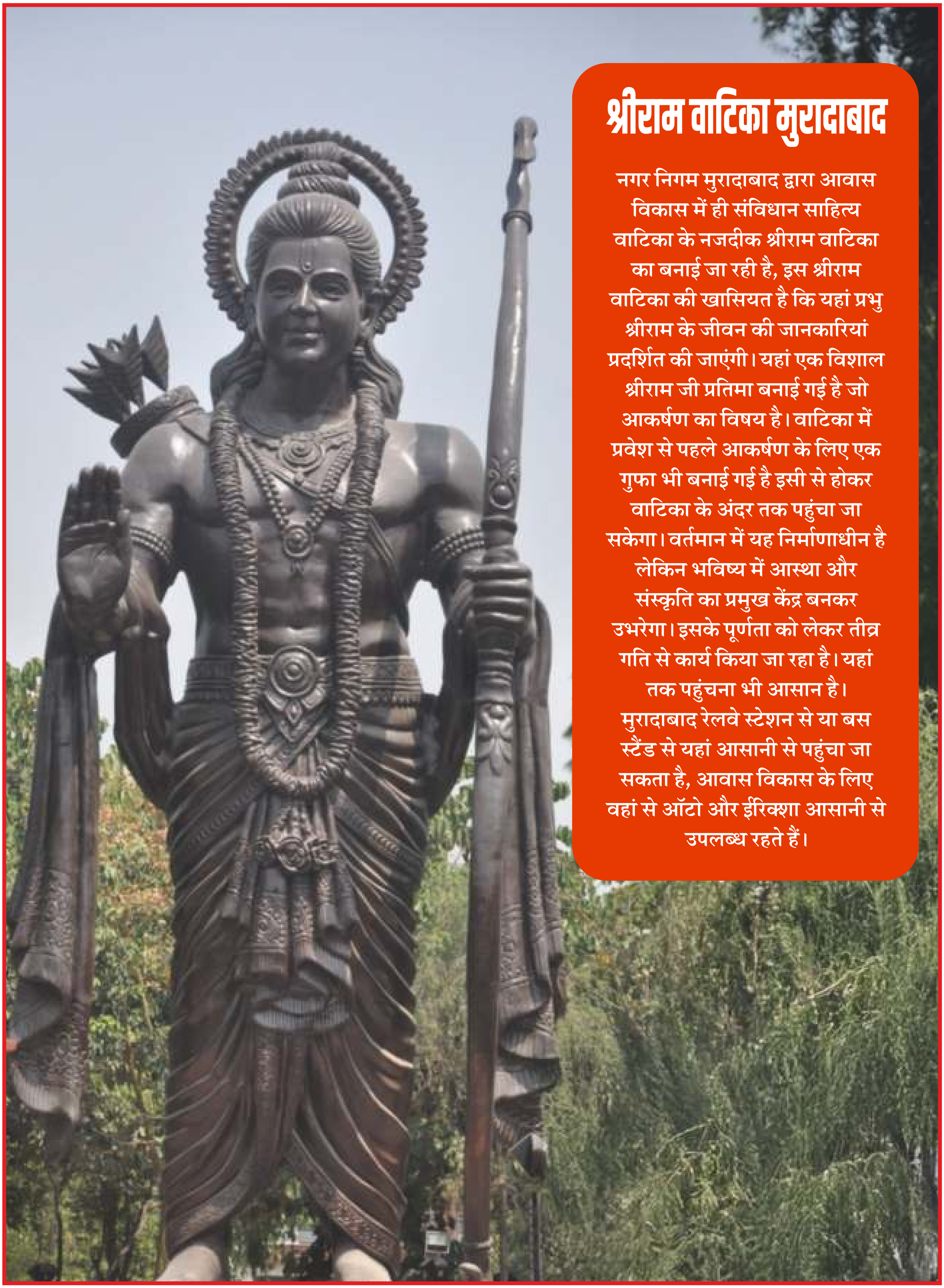

श्रीराम वाटिका मुरादाबाद

नगर निगम मुरादाबाद द्वारा आवास विकास में ही संविधान साहित्य वाटिका के नजदीक श्रीराम वाटिका का बनाई जा रही है, इस श्रीराम वाटिका की खासियत है कि यहां प्रभु श्रीराम के जीवन की जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी। यहां एक विशाल श्रीराम जी प्रतिमा बनाई गई है जो आकर्षण का विषय है। वाटिका में प्रवेश से पहले आकर्षण के लिए एक गुफा भी बनाई गई है इसी से होकर वाटिका के अंदर तक पहुंचा जा सकेगा। वर्तमान में यह निर्माणाधीन है लेकिन भविष्य में आस्था और संस्कृति का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। इसके पूर्णता को लेकर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। यहां तक पहुंचना भी आसान है। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से या बस स्टैंड से यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है, आवास विकास के लिए वहां से ऑटो और ईरिक्शा आसानी से उपलब्ध रहते हैं।

प्रकृति, हरियाली के बीच प्रभु श्रीराम। प्रकृति और भक्ति के समावेश की स्थली है श्रीराम वाटिका।

श्रीराम वाटिका का प्रवेश द्वार।

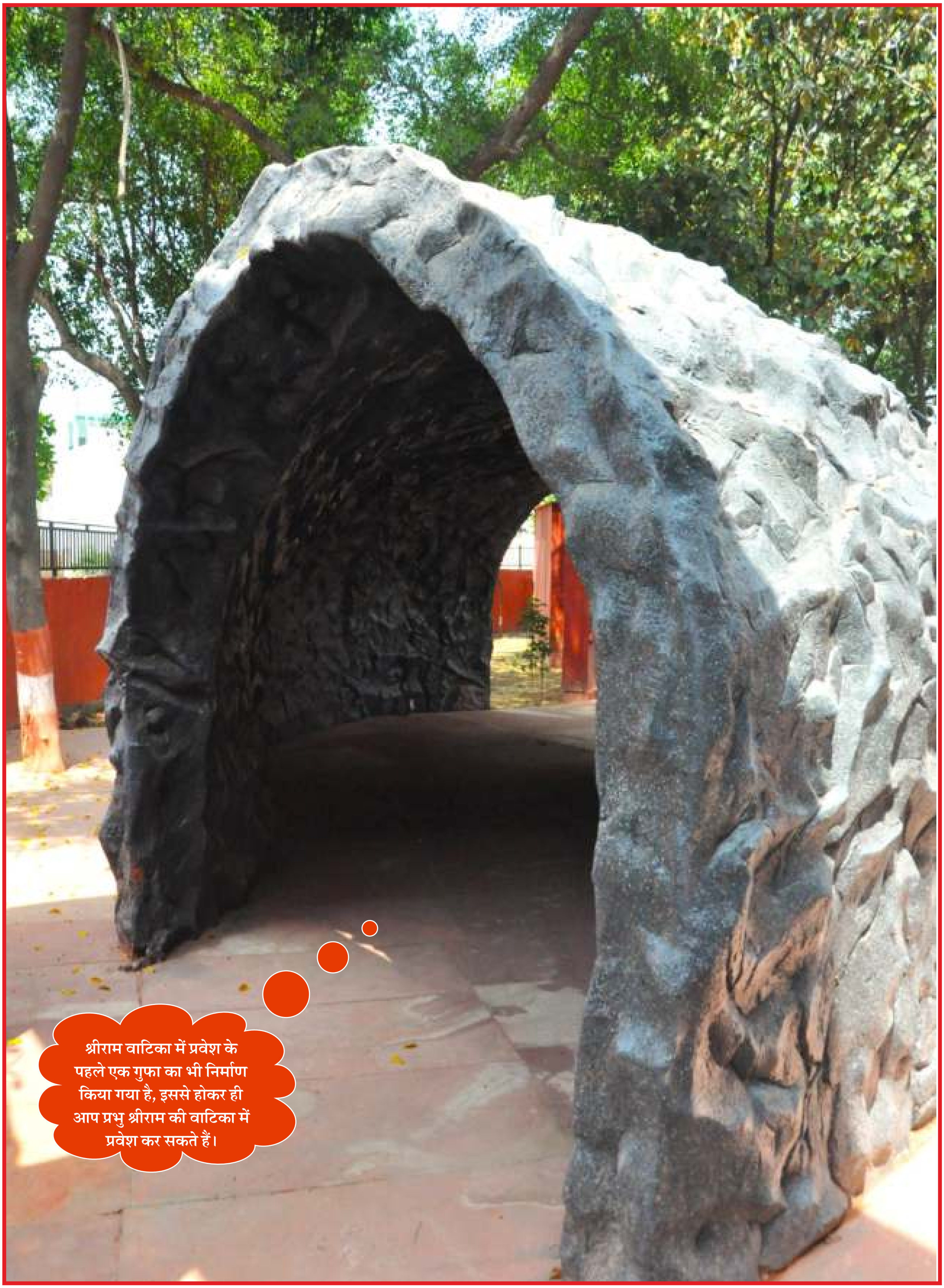
श्रीराम वाटिका में प्रवेश के पहले एक गुफा का भी निर्माण किया गया है, इससे होकर ही आप प्रभु श्रीराम की वाटिका में प्रवेश कर सकते हैं।

नगर निगम मुरादाबाद।

–:: अपील ::–

1. स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर निगम मुरादाबाद ने देश के टॉप 10 स्वच्छ शहरों में स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया वाटर प्लस प्रमाणन के साथ स्वच्छ जल प्रबंधन में उत्कृष्ट पहचान गार्बेज फ्री सिटी स्टार रेटिंग में 3–स्टार हासिल कर कचरा प्रबंधन में सशक्त उदाहरण बना मुरादाबाद।
2. नगर निगम, मुरादाबाद आम जनमानस से अपेक्षा करता है कि पर्यावरण को सुरक्षित बनाये रखने हेतु अधिक से अधिक पौधारोपण/वृक्षारोपण कर पर्यावरण को दूषित होने से बचाये जाने हेतु अपना अमूल्य योगदान दें।
3. नगर निगम मुरादाबाद आमजनमानस से अपेक्षा करता है कि पर्यावरण को सुरक्षित बनाये रखने हेतु स्वच्छ भारत मिशन की गाईडलाईन के अनुसार प्रतिदिन अपने घरों से निकलने वाले अपशिष्ट को पृथक–पृथक हरे–नीले डस्टबिन में एकत्रित कर अपशिष्ट उठानकर्ता को दें, अपशिष्ट को इधर–उधर न फेंके। साथ ही अपने घर व समीपवर्ती क्षेत्र में स्वच्छता बनाये रखे।
4. वर्षाऋतु के दौरान जलजमाव होने के कारण विभिन्न वैक्टर जनित संक्रमण जैसे डेंगु मलेरिया, चिकनगुनिया एवं कालाजार इत्यादि बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है, जिसकी रोकथाम हेतु अपने–अपने घरों एवं आस–पास पानी जमा न होने दे, साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा खुले में शौच न करें।
5. शासन के निर्देशानुसार प्लास्टिक, थर्मोकॉल इत्यादि सामग्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, आम जनमानस से अपेक्षा है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक, थर्मोकॉल इत्यादि सामग्री का प्रयोग कदापि न करें।
6. नगर निगम, मुरादाबाद द्वारा मैनाठेर स्थित कान्हा गौशाला का संचालन किया जा रहा है जिसमें वर्तमान में 471 गौवंश संरक्षित है, जिनके प्रतिदिन भोजन जैसे–भूसा, हरा चारा एवं चोकर की पर्याप्त व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त कान्हा गौशाला से मुख्यमंत्री सहभागिता योजनान्तर्गत 41 गौपालकों को 58 गौवंशो की सुपुर्दगी दी गई है, जिसमें प्रति गौवंश प्रतिदिन रू0 50 के अनुसार सम्बंधित गौपालकों को राशि भुगतान की जाती है। साथ ही नगर निगम, मुरादाबाद द्वारा कान्हा गौशाला के समीप नवनिर्मित नन्दीशाला का निर्माण कराकर संचालन कराया जा रहा है, जिसमें वर्तमान में 80 नन्दी संरक्षित है।
7. नगर निगम मुरादाबाद आम जनमानस से अपील करता है कि अपने गौवंशो को सार्वजनिक मार्गों पर खुले न छोड़े तथा पाले जा रहे गौवंशो का गोबर नाले/नालियों में प्रवाहित न करें।
8. नगर निगम, मुरादाबाद द्वारा महानगर की जनता के लिये विभिन्न स्थानों पर तालाबों का सौन्दर्यकरण कराया गया है आम जनता से अपील करता है कि तालाबों की सुन्दरता बनाये रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।
9. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा महानगर की जनता के लिये संविधान वाटिका का निर्माण कराया गया है। महानगर की जनता से अपेक्षा की जाती है कि संविधान वाटिका को स्वच्छ व सुन्दर बनाये रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।
10. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा भारतीय सेना के सम्मान में बुद्धि विहार स्थित जनता को समर्पित युद्ध स्मारक स्थल का निर्माण कराया जा रहा है।
11. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा कांठ रोड पर फोटोन अस्पताल के निकट शिव भक्तों के सम्मान में भगवान शिव प्रतिमा का निर्माण कराया गया है जिसकी साफ सफाई में नगर निगम मुरादाबाद को सहयोग प्रदान करें।
12. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा कांठ रोड, दिल्ली रोड का सौन्दर्यकरण कराया गया है। जनता से अनुरोध है कि इसकी भी साफ सफाई हेतु अपना सहयोग प्रदान करें।
13. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा राजस्व ग्राम हरथला मुस्तहकम में कामकाजी महिलाओ के निवास हेतु हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है।
14. नगर निगम मुरादाबाद द्वारा निराश्रित व्यक्तियों को ठहरने हेतु भिन्न–भिन्न स्थानों पर निशुल्क शैल्टर होम का निर्माण कराया गया है तथा साफ सफाई रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।

दिव्यांशु पटेल (IAS) नगर आयुक्त	(विनोद अग्रवाल) महापौर

समस्त सम्मानित पार्षदगण/अधिकारी/कर्मचारीगण

नगर निगम, मुरादाबाद।

RNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

स्पंदन सरोवर आवास विकास, बुद्वि विहार में आईकोनिक मॉल के नजदीक स्थित है।

स्पंदन सरोवर मुरादाबाद म्यूजिकल लेजर शो

नगर निगम मुरादाबाद द्वारा आवास विकास में स्पंदन सरोवर पर म्यूजिकल लेजर शो का नयाब प्रयोग इन दिनों चर्चा और उत्सुकता का विषय बना हुआ है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 18.37 करोड़ की लागत से बनाए गए इस स्पंदन सरोवर और म्यूजिकल लेजर शो का उदघाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। यहां सतयुग से लेकर कलयुग तक की कथा के साथ ही कल्कि अवतार की कथा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां म्यूजिकल लेजर शो भी सभी को आकर्षित कर रहा है।

की हार्दिक शुभकामनाएं

लेजर शो को देखने के लिए प्रतिदिन यहां काफी दर्शक एकत्र होते हैं, यह अपने तरह का अनूठा और अदभुत प्रयास है इससे मुरादाबाद को भी नई पहचान मिली है। यह शो रात के समय ही दिखाया जाता है, इसे देखने के लिए अवश्य पहुंचें।

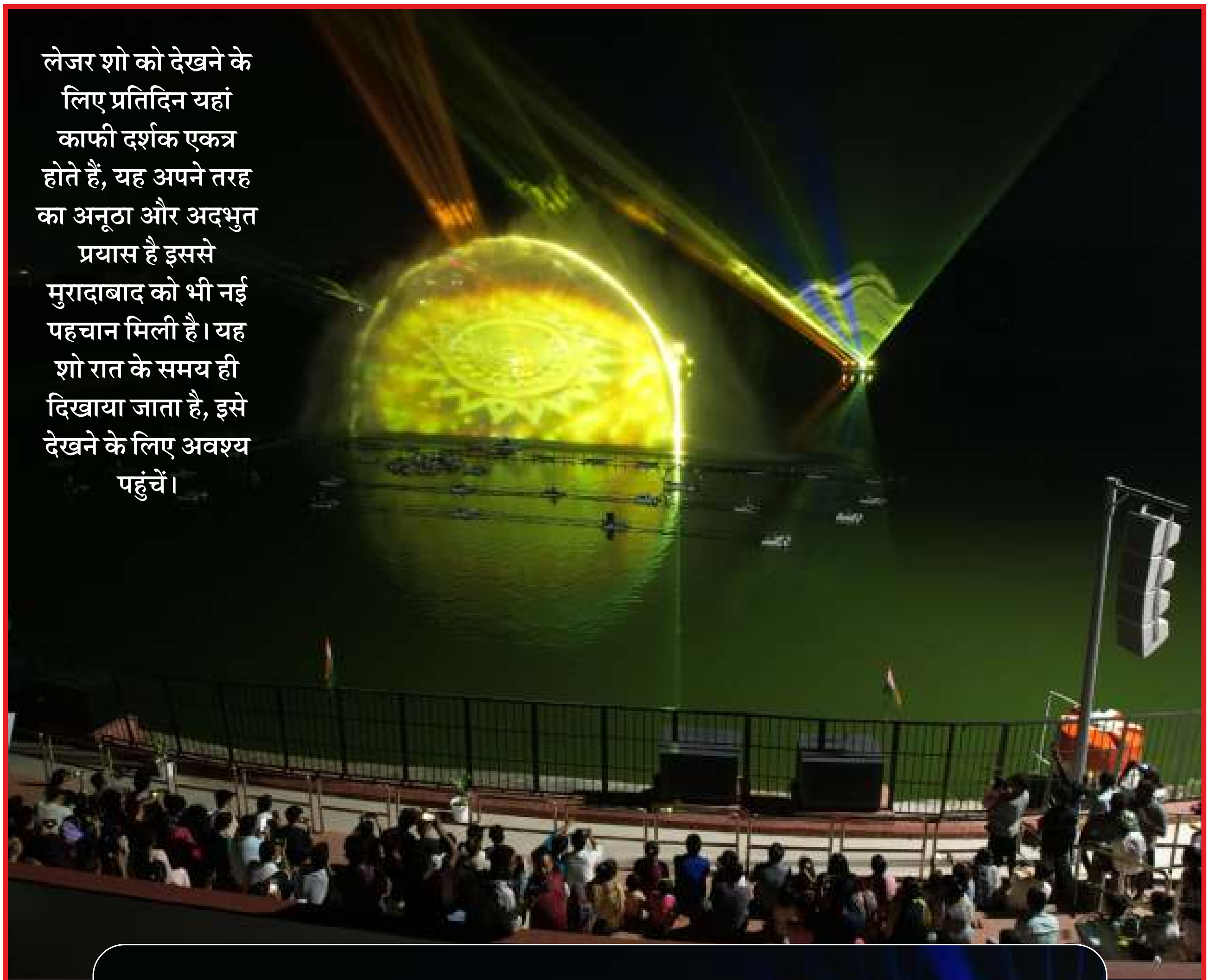

खेलो इंडिया पार्क

भारतीय पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम प्रदेश का पहला भारतीय खेल पार्क बुद्धि विहार फेज-2 में व्हाइट हाउस के ठीक सामने यह निर्माणाधीन है। खास बात यह है कि इसमें विशेषकर युवाओं को प्रोत्साहित करने के उददेश्य से इसका निर्माण किया जा रहा है। यह अपने तरह का अनूठा और अदभुत प्रयोग है और इसे लेकर विशेषकर युवाओं में खासी जिज्ञासा भी बनी हुई है।

खेलो इंडिया पार्क- बुद्दि विहार में व्हाइट हाउस के सामने स्थित है।

ये पूरा भरोसा है कि खेलो इंडिया पार्क बच्चों और यूथ को जबरदस्त उर्जा देगा। यहां हमारे पुराने खेलों को प्रतिकृति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। नौकायान को दर्शाती यह नाव।

बालिकाओं का खेल जो पुराने दौर की याद दिला देगा।

तलवारबाजी भी हमारी पुरातन रक्षा प्रणाली का हिस्सा हुआ करती थी।
लाठी की कला भारत में पुरानी मानी जाती है, पुराने समय में इसका प्रयोग आत्मरक्षा के लिए किया जाता था।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

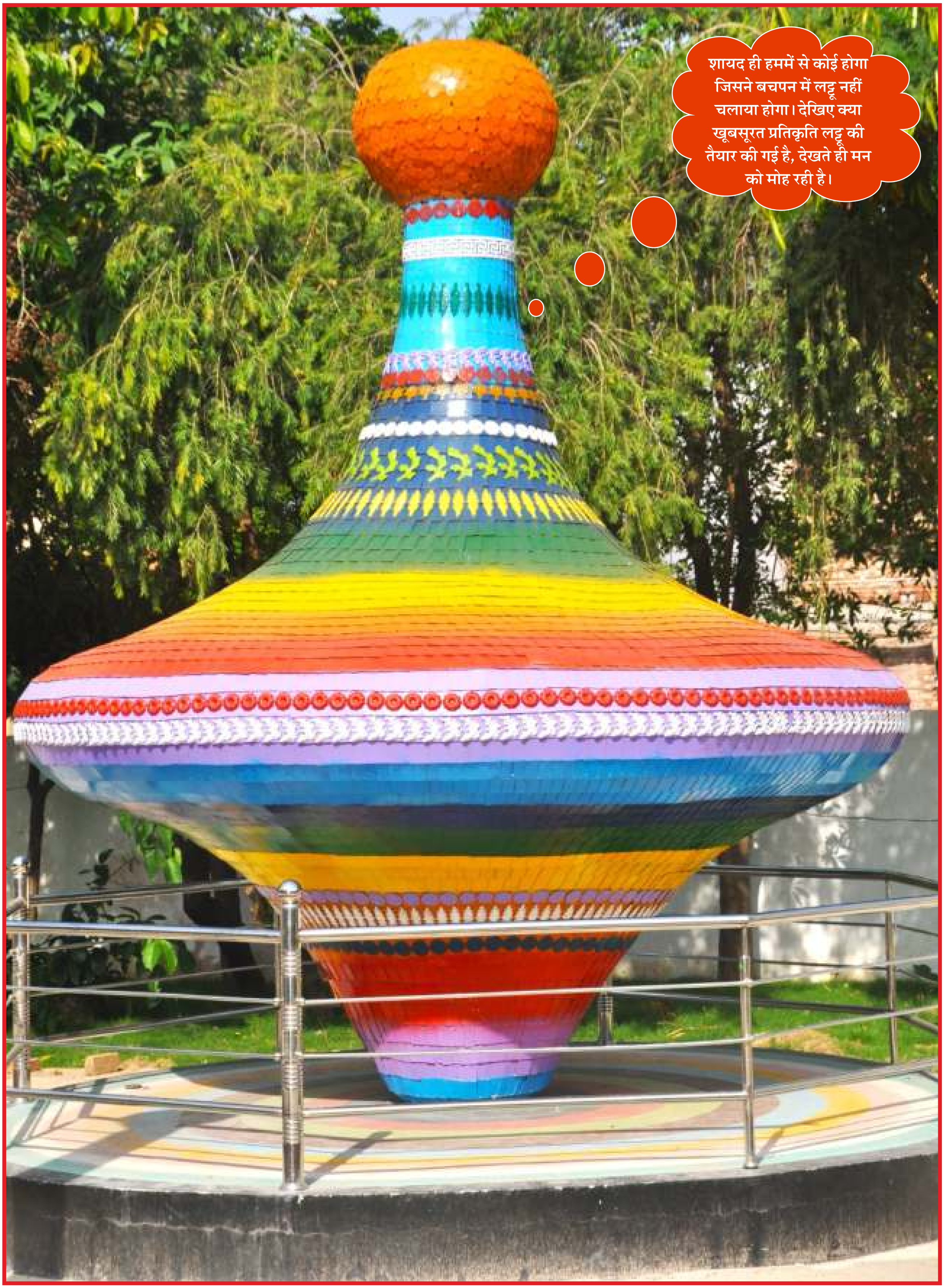
शायद ही हममें से कोई होगा
जिसने बचपन में लट्टू नहीं
चलाया होगा। देखिए क्या
खूबसूरत प्रतिकृति लट्टू की
तैयार की गई है, देखते ही मन
को मोह रही है।

एक और खेल जो दिमाग घुमा देता है लेकिन इसे खेलकर हल निकाल देने वाले जीनियस माने जाते हैं।

रनिंग सुबह और शाम अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरुरी है।

मन को रोमांचित करती यह रंगबिरंगी प्रतिकृति।

पानी के साथ यह प्रतिकृति दूरगामी संदेश देती हुई।

वेस्ट अवेयनेस सेंटर

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश में देश का पहला ऐसा वेस्ट अवेयरनेस सेंटर जिसे गौतम बुद्ध अपशिष्ट प्रबंधन शिक्षा केंद्र के नाम से जाना जाता है। यह केंद्र प्रेरणादायी कार्य कर रहा है। नगर निगम द्वारा यह अनूठी पहल इसलिए की गई ताकि लोग पर्यावणीय शिक्षा को लेकर जागरुक हो सकें। पर्यावरण शिक्षा की दिशा में यह एक आधुनिक केंद्र माना जा रहा है। यहां एक जीवंत प्रयोगशाला भी है जो पर्यावरण को लेकर सचेत करते हुए सुधार की ओर प्रेरित करती है। यहां से स्पष्ट संदेश यही जाता है कि भविष्य सुरक्षित चाहते हैं तो हमें पर्यावरण सुधार की शिक्षा की ओर गंभीर होकर चिंतन मनन करना ही होगा। मुरादाबाद के काशीराम नगर स्थित गौतम बुद्ध पार्क में बना यह जागरूकता केंद्र 1200 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और इसे खास तौर पर इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि स्कूली छात्रों, नागरिकों और पर्यटकों के लिए पर्यावरण और शहर के अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी पहुंचाने में सुलभ हो। इस केंद्र में अत्याधुनिक तकनीक, इंटर एक्टिव डिस्प्ले, ऑडियो-विजुअल अनुभव और आकर्षक झलकियों के माध्यम से कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और संसाधनों के संरक्षण जैसे जटिल विषयों को बेहद सरल, प्रभावशाली और रोचक तरीके से समझाया जाता है। केंद्र छह प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित है, जो संसाधनों की जानकारी से लेकर सस्टेनेबल भविष्य की ओर नागरिकों की भागीदारी तक की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराता है।

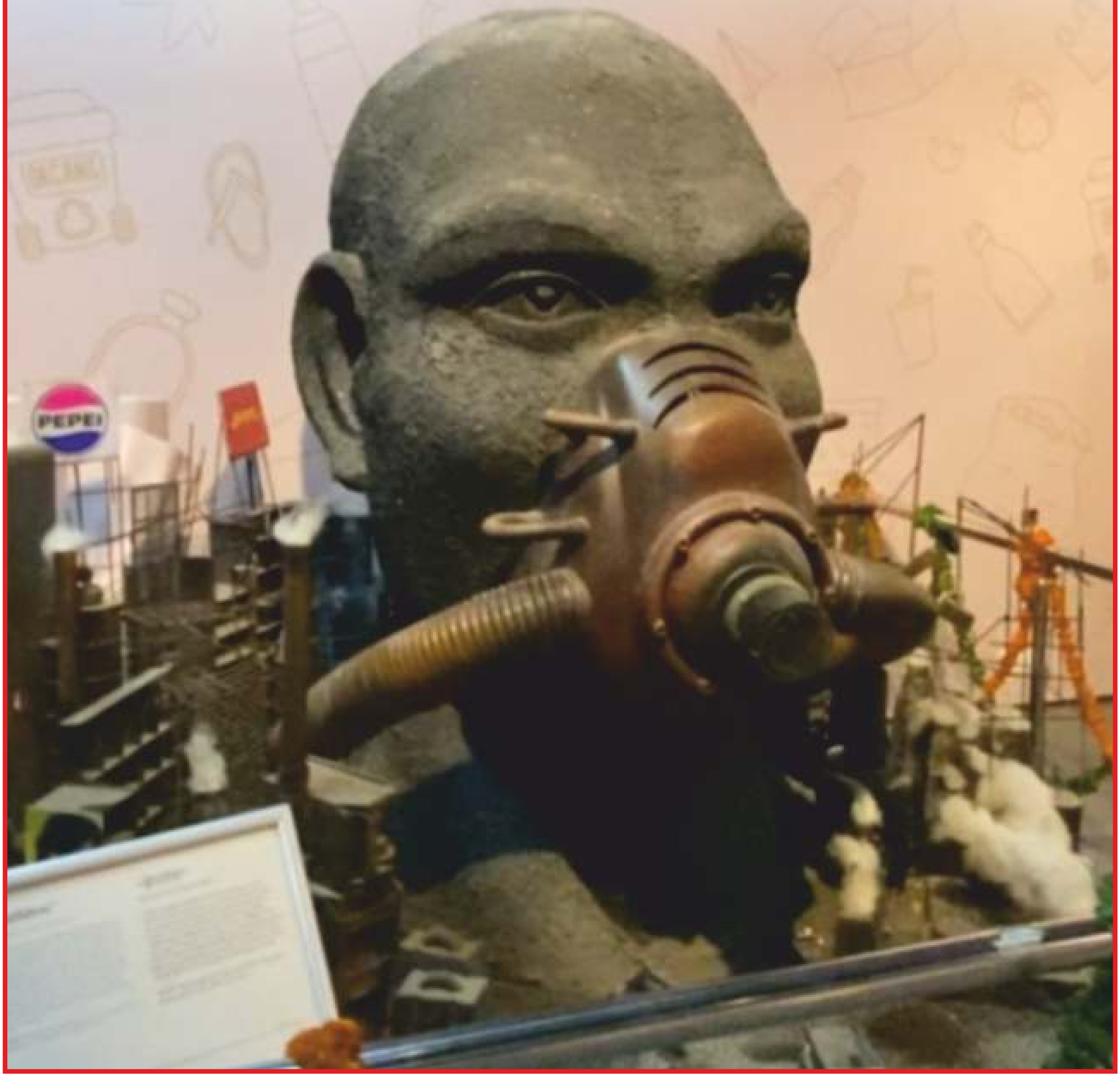

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

यहां यूथ और विद्यार्थियों के जानने और समझने के लिए काफी कुछ है जिसे समझकर वे पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। यह केंद्र एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जागरुकता के लिए। ऐसा माना जा रहा है पर्यावरण सुधार के उददेश्य से किया गया यह एक बेहद महत्वपूर्ण कार्य है।

यह वह केंद्र है जहां प्रयोगशाला भी है और पर्यावरण से संबंधित शिक्षा भी दी जा रही है।

स्मार्ट सिटी, स्मार्ट आफिस

मुरादाबाद में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं इनमें अनेक कार्य ऐसे भी हैं जो अपने आप में अनूठे और विरले हैं। यहां हम स्मार्ट सिटी के आफिस को भी देखें जहां से सिटी स्मार्ट हो रही है।

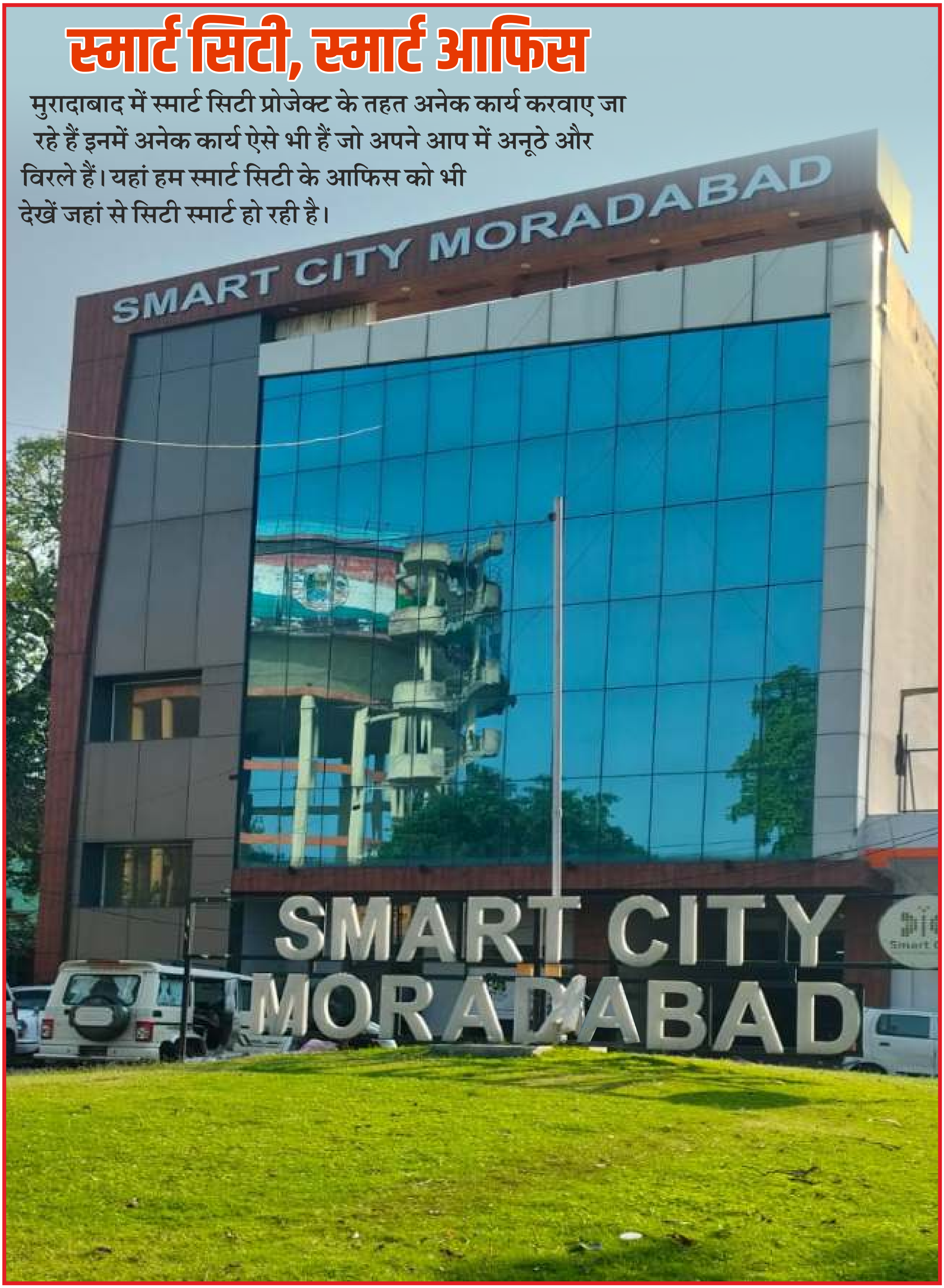

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 मुरादाबाद दूसरे नंबर पर

एक समय था जब मुरादाबाद वायु प्रदूषण को लेकर विश्व स्तर पर चर्चाओं में था लेकिन सुधार की दिशा में सतत हो रहे प्रयासों का नतीजा है कि वर्ष 2023 में हुए स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर मुरादाबाद दूसरे स्थान पहुंच गया। यह मुरादाबाद के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती हैं इस संबंध में भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव द्वारा मुरादाबाद नगर निगम महापौर श्री विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल को सम्मानित किया गया। खास बात यह भी है कि मुरादाबाद उत्तर प्रदेश में पहले नंबर पर रहा। शहर में ठोस कचरा प्रबंधन, सड़क की धूल कम करने और वृक्षारोपण के माध्यम से आबोहवा में सुधार किया गया।

उदीषा चौपाला साहित्योत्सव 2026

मुरादाबाद बुद्धि विहार स्थित गांधी मैदान में उदीषा चौपाला साहित्योत्सव 2026 का आयोजन 22 से 26 जनवरी 2026 तक किया गया। यह शहर में अपनी तरह का पहला साहित्य, कला और संस्कृति महोत्सव था, जिसका उद्देश्य लोगों को किताबों और भारतीय विरासत से जोड़ना था। इसमें देश भर के प्रख्यात कलाकार, साहित्यकार और लोक धरोहर विशेषज्ञ शामिल हुए। इस उत्सव में शायरी, संगीत, रंगमंच, सिनेमा, लोक संस्कृति और समकालीन सामाजिक विषयों पर आधारित कार्यक्रम हुए। देश के नामचीन रचनाकार, कलाकार और विचारक यहां अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से साहित्य और समाज पर अपने विचार रखे। इस प्रमुख आयोजन में ख्यात अभिनेता आशुतोष राणा, कवि डॉ. कुमार विश्वास, गायक सुखविंदर सहित अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। यहां नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी मन मोह लिया, साहित्य संवाद उच्च स्तर का था। इस गरिमामय आयोजन की खासी प्रशंसा की गई।

ख्यात फिल्म अभिनेता और साहित्यकार आशुतोष राणा जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते महापौर श्री विनोद अग्रवाल एवं मुरादाबाद मंडल आयुक्त श्री आंजनेय कुमार सिंह सहित अन्य।

मंच पर कलाकारों के बीच अपनी बात रखते हुए मुरादाबाद मंडल आयुक्त श्री आंजनेय कुमार सिंह।

यह अवसर था प्रतिभा के प्रदर्शन का। इस मौके पर प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में पुस्तकों की अनेक स्टॉल लगाई गई थीं। हिंदी, अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं में यहां किताबें स्टॉल में उपलब्ध थी। आयोजन में पुस्तकों की भी खूब खरीदारी हुई। विशेषकर साहित्य की पुस्तकों की खासी बिक्री हुई।

स्कूली छात्राएं और पर्यावरण संरक्षण का ये महत्वपूर्ण संदेश।

उदीषा चौपाला के अवसर पर एनसीसी केडेट्स ने भी महत्वपूर्ण संदेश दिया।

कचरा निपटान को लेकर मुरादाबाद में उल्लेखनीय कार्य

मुरादाबाद में सुधार और विकास कार्यों के बीच वाकई बहुत कुछ ऐसा भी है बदल रहा है जिसकी उम्मीद शायद शहरवासियों को भी नहीं थी। कचरा ग्राउंड जो रामगंगा नदी के नजदीक स्थित है, इसका आकार देखकर उम्मीदें टूट रही थीं लेकिन अब सबकुछ बदल रहा है। कचरे को रीसाइकल किया जा रहा है। पीआईबी की खबर के अनुसार मुरादाबाद में पीतल उद्योग से उत्पन्न कचरे की चुनौतियों भी प्रमुख थीं लेंकिन बदलाव हो रहे हैं, यहां सुधार के बाद नागरिकों को नए नवाचारों को अपनाने और स्वच्छता संकल्प लेने की इच्छाशक्ति प्राप्त हो रही है। मुरादाबाद नगर निगम ने यह भी सिद्ध किया कि यदि इच्छाशक्ति हो तो पुराने कचरे को भी नए अवसरों में बदला जा सकता है। इसी कड़ी में शहर ने सफलतापूर्वक 5.8 लाख मीट्रिक टन लेगेसी वेस्टको प्रोसेस कर लगभग 20 एकड़ भूमि को पुनः उपयोग के योग्य बनाया है। इस भूमि का उपयोग अब एक सैनिटरी लैंडफिल, कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और जापान की मियावाकी तकनीक से वृक्षारोपण किया जा रहा है। मुरादाबाद सस्टेनेबल कचरा प्रबंधन की दिशा में देश का एक आदर्श मॉडल बन रहा है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

मुरादाबाद में कचरा निपटान की एसटीपी यूनिट।

कंपनी बाग

कंपनी बाग निखर उठा है, शहर के बीच स्थित यह उद्यान सभी उम्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। शहर के एक ऐसी जगह जहां आप परिवार के साथ पहुंचकर सुकून के पल बिता सकते हैं। आप इस निखरे हुए कंपनी को बाग देख सकते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से आसानी से ऑटो और ई रिक्शा उपलब्ध हैं। यहां हरियाली के साथ आपको वॉकिग के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध है।

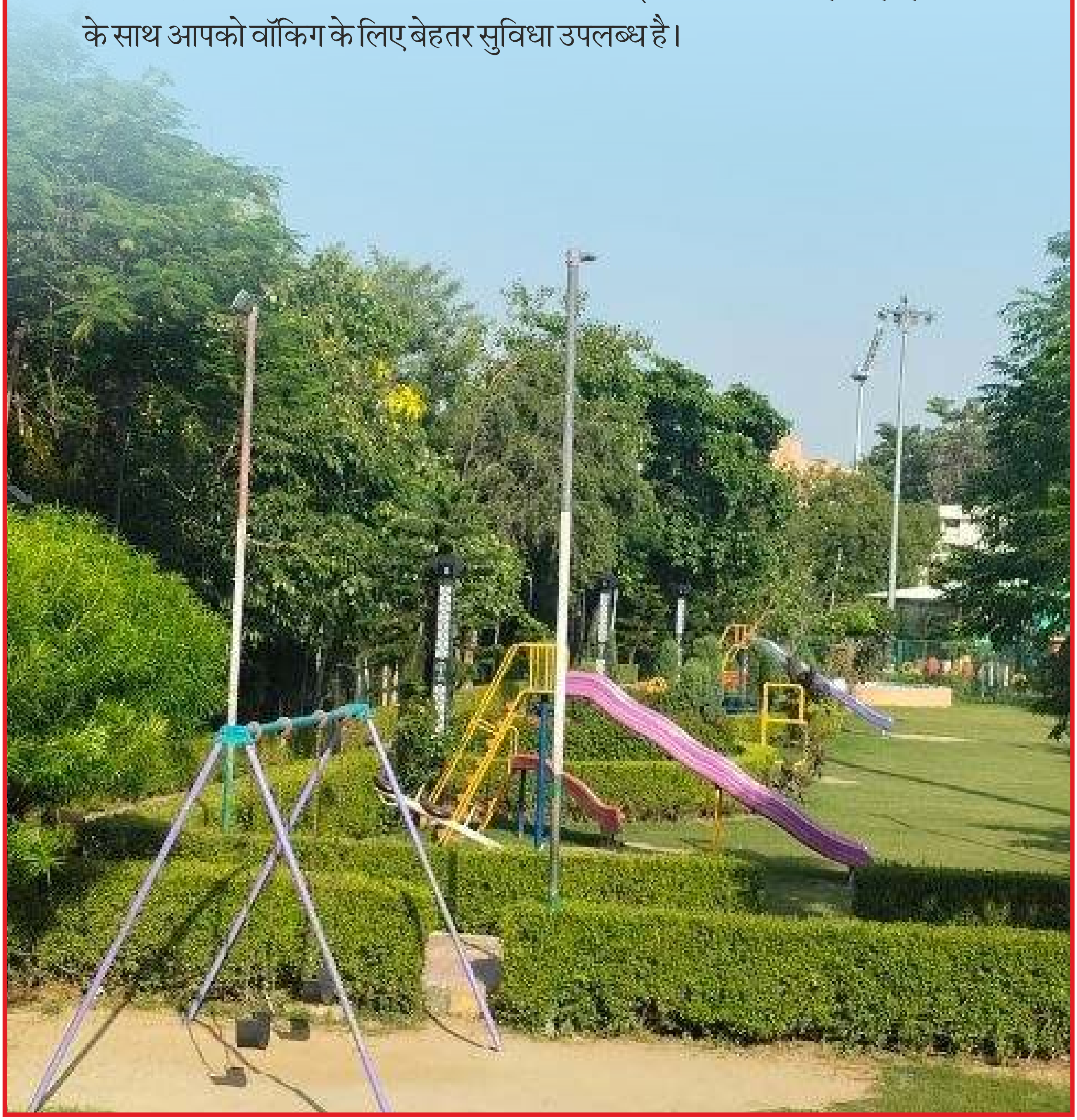

कंपनी बाग जो शहर के बीच स्थित है, यहां मार्निंग और इवनिंग वॉकिंग के लिए भी जगह है, साथ ही बच्चों के लिए झूले हैं। कुल मिलाकर यह स्थान आपके लिए परिवार के साथ समय बिताने के लिए अच्छा है।

यहां हरियाली मन को सुकून पहुंचाती है। विशेषकर बच्चों को यह बाग बहुत अधिक पसंद आता है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

मिरर मैजिक के लिए यहां खासी व्यवस्था की गई है, यहां आएं तो मिरर मैजिक का आनंद अवश्य उठाएं।

कंपनी बाग में मिरर मैजिक विशेष आकर्षण का केंद्र है, यहां आकर आप परिवार के साथ आनंद उठा सकते हैं।

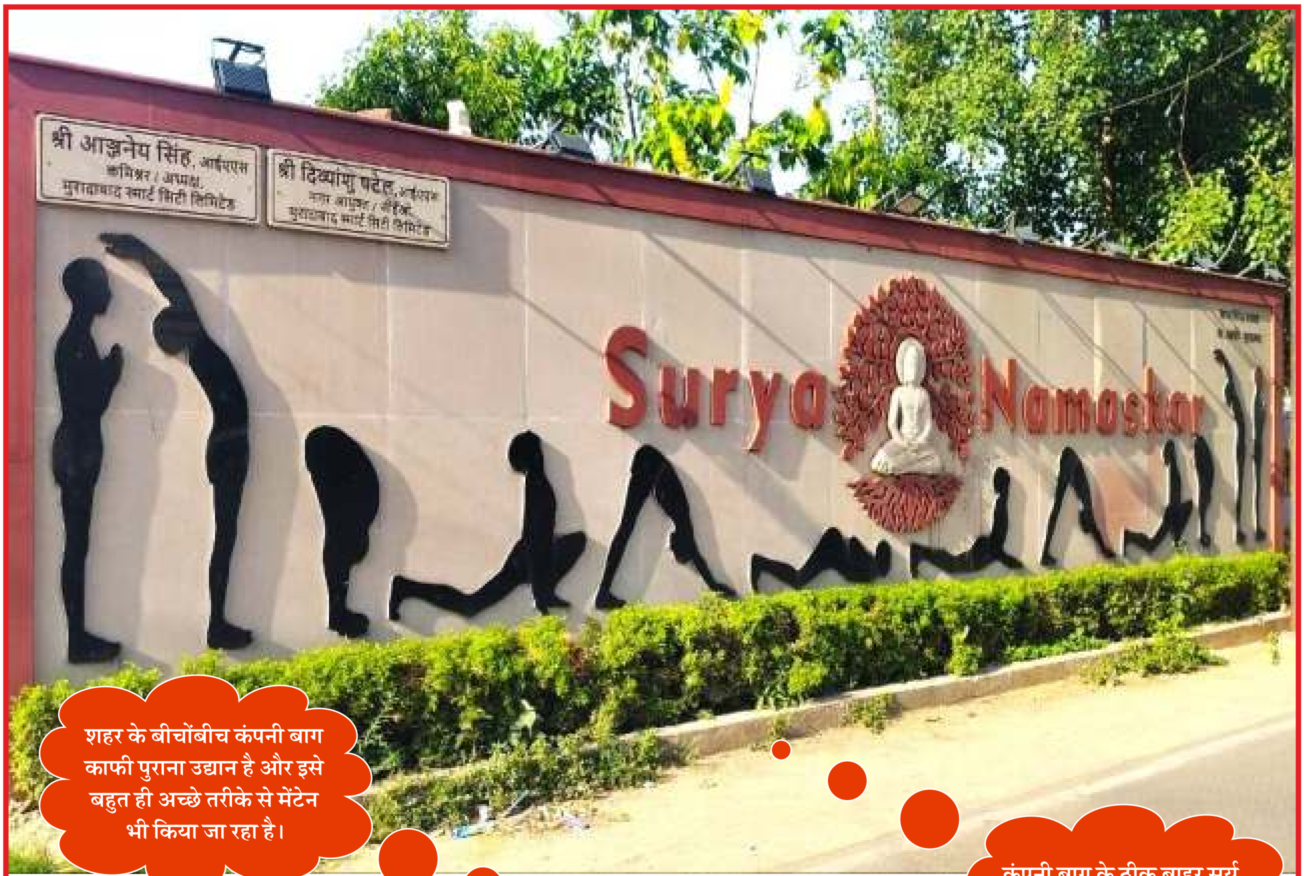

शहर के बीचोंबीच कंपनी बाग काफी पुराना उद्यान है और इसे बहुत ही अच्छे तरीके से मेंटेन भी किया जा रहा है।

कंपनी बाग के ठीक बाहर सूर्य नमस्कार का संदेश देती यह वॉल। सूर्य नमस्कार हमारी संस्कृति का हिस्सा है।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

मुरादाबाद की आईएसओ प्रमाणित गौशाला

नगर निगम मुरादाबाद द्वारा एक गजब की गौशाला संचालित की जा रही है, इसे कान्हा गौशाला का नाम दिया गया है लेकिन इसकी खासियत यह है कि यह प्रदेश की पहली आईएसओ प्रमाणित गौशाला है। इतना ही नहीं यहां पशुओं की देखभाल के तरीके भी प्रशंसनीय हैं। नगर निगम मुरादाबाद गायों के लिए गर्मी के मौसम में पंखे और वॉटर सिंप्रकलर लगाए गए हैं ताकि उन्हें गर्मी न लगे। गौवंश को राहत दिलाने के उददेश्य से यह एक सार्थक और मानवीय पहल है। यहां ठंडे माहौल के बीच रहने वाले गौवंश के लिए पानी और चारे की भी कोई कमी नहीं है। यह एक सार्थक और प्रेरक उदाहरण है। नगर निगम की इस गौशाला ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

कान्हा गौशाला
कान्हा गौशाला नगर निगम मुरादाबाद

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

जीरो पाइंट पर प्रवेश द्वार

मुरादाबाद में दिल्ली रोड पर जीरो पाइंट के नजदीक एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है। पीतल नगरी को नई पहचान मिले इस उददेश्य से इस प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है। यहां एक विशाल कलश भी बनाया गया है। यहां लाइटिंग और सांस्कृतिक कलाकृतियां हैं। रात के समय यह क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठता है।

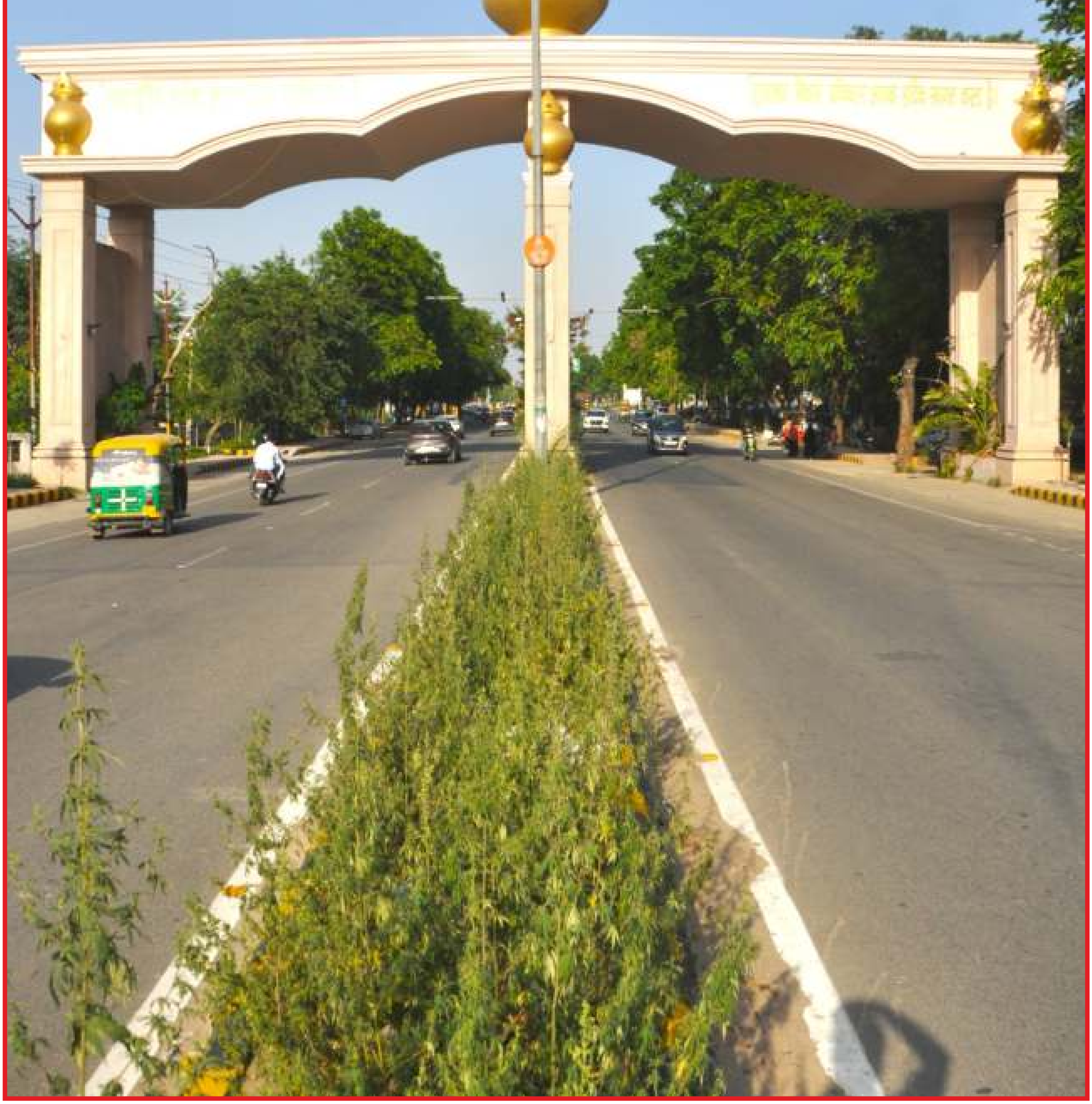

शहर के साथ निखरे चौराहे

मुरादाबाद में विकास कार्यो में चौराहों का विकास भी किया गया है, नगर के अनेक चौराहों का कायाकल्प हुआ है। इन चौराहों पर अब न केवल यातायात सुव्यवस्थित हुआ है बल्कि देखने पर भी यह मन को गहरी राहत दे रहे हैं। व्हाइट हाउस के नजदीक का यह चौराहा। नजदीक ही त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय है।

आवास विकास बुद्धि विहार क्षेत्र में स्थित यह चौराहा फील्ड मार्शल मानेकशॉ के नाम पर है, यहां नजदीक ही त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय भी है।

RNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

महाराजा अग्रसेन चौक
दिल्ली रांड से मुरादाबाद की ओर व्यस्त यातायात के क्षेत्र में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा स्थापित की गई हैं, यह दोनों ओर हैं। इस चौक को महाराजा अग्रसेन के नाम से ही जाना जाता है। यह खूबसूरत चौराहा है।

अकबर के किले के बाजू से आवास विकास होते हुए दिल्ली रोड तक पहुंचने वाली राह पर यह चौराहा बना हुआ है, यह चौराहा माउंट एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही रवि कुमार के नाम पर है।

वेस्ट टू वंडर (भारत दर्शन पार्क)

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा नया मुरादाबाद योजना सेक्टर 2 में 7.25 करोड़ की लागत से 3 एकड़ में वेस्ट टू वंडर (भारत दर्शन पार्क) का निर्माण करवाया गया है। इसका शिलान्यास 6 अगस्त 2025 को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया था। 28 फरवरी 2026 को प्रदेश के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग मंत्री श्री अनिल कुमार जी द्वारा इस पार्क का लोकार्पण किया गया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य श्री भूपेंद्र चौधरी, नगर निगम मुरादाबाद महापौर श्री विनोद अग्रवाल, नगर विधायक श्री रितेश गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, विधान परिषद सदस्य श्री सत्यपाल सिंह सैनी, विधान परिषद सदस्य श्री हरि सिंह ढिल्लो, विधान परिषद सदस्य श्री गोपाल अंजान, मुरादाबाद मंडल आयुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण मुरादाबाद के उपाध्यक्ष श्री अनुभव सिंह (आई.ए.एस), जिलाधिकारी मुरादाबाद श्री अनुज सिंह (आई.ए.एस) उपस्थित थे। पार्क अपने आप में अदभुत परिकल्पना है। एक परिकल्पना जिसे आप एक ही स्थान पर साकार देख सकते हैं। भारत दर्शन के साथ दुनिया के 7 वंडर्स भी यहां नजर आएंगे, खास बात यह है कि यह सब जो आप देखकर हतप्रभ हो जाएंगे वह वेस्ट से बनाए गए हैं, इसीलिए इसे वेस्ट टू वंडर का नाम दिया गया है और इस तरह (भारत दर्शन पार्क) परिकल्पना से जमीं पर उतारा जा सका। यह बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और एक बार यहां तक अवश्य पहुंचें...रात के समय लाइटिंग में इस पार्क को देखना अदभुत अनुभव है। यहां तक पहुंचना आसान है, दिल्ली रोड जीरो पाइंट के करीब से यहां के लिए रास्ता है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से भी यहां लिए ऑटो और ई रिक्शा उपलब्ध हैं।

(सभी फोटोग्राफ संदीप कुमार शर्मा, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश)

कुतुब मीनार, दिल्ली, भारत

निर्माण- 13वीं शताब्दी ईस्वी

72.5 मीटर ऊंची कुतुब मीनार में पांच मंजिलें हैं, जिन्हें बलुआ पत्थर और संगमरमर से बनाया गया है। प्रत्येक मंजिल पर सुंदर बरामदे और बारीक नक्काशीदार शिलालेख मौजूद हैं। इसका निर्माण कुतुबुददीन ऐबक ने शुरु करवाया था और इल्तुतमिश ने इसे पूरा किया। यह एक विशाल परिसर का हिस्सा था जिसमें दिल्ली की पहली पहली मस्जिद भी शामिल थी। बिजली गिरने और भूकंप के कारण कई बार क्षतिगस्त होने के बाद फिरोज शाह तुगलक जैसे शासकों द्वारा इसकी मरम्मत कराई गई। आज अपनी शानदार इंडो-इस्लामिक शैली और सटीक बनावट के कारण यह भारत के सबसे सराहनय यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से एक है।

असली कुतुब मीनार इस प्रतिकृति से लगभग 5.7 गुना ऊंची है। इस प्रतिकृति में 14 टन वेस्ट का उपयोग किया गया।

गेटवे ऑफ इंडिया, मुंबई, महाराष्ट्र

26 मीटर ऊंचा गेटवे ऑफ इंडिया पीले बेसाल्ट पत्थर और कांक्रीट से बनाया गया था। इसका निर्माण 1911 में राजा जार्ज पंचम और रानी मैरी की भारत यात्रा की स्मृति में किया गया था। बाद में यह ब्रिटिश अधिकारियों के लिए औपचारिक प्रवेश द्वार बना। यह 1948 में ब्रिटिश सैनिकों की वापसी का भी गवाह बना, जो भारत की स्वाधीनता का भी प्रतीक था। आज यह मुंबई के साथ देश की प्रतिष्ठित पहचान है।

असली गेटवे ऑफ इंडिया इस प्रतिकृति से लगभग 3.5 गुना ऊंचा है।
इसके निर्माण में 13 टन वेस्ट का इस्तेमाल किया गया।

हवा महल, जयपुर, राजस्थान, भारत

निर्माण- 1799 ईस्वी

हवा महल मधुमक्खी के छत्ते के आकार का एक पांच मंजिला महल है, जिसमें 953 झरोखे हैं। इन झरोखों से ठंडी हवा भीतर आती है जो इस इमारत को हवादार बनाती है और इसी कारण इसका नाम हवा महल भी पड़ा। लाल चंद उस्ताद द्वारा डिजाइन किया गया था यह महल। राजघराने की महिलाओं को पर्दा प्रथा का पालन करते हुए बाहर की सडकों को देखने की सुविधा देता था। अपनी विशिष्ट गुलाबी रंगत और हवा के संचार की अदभुत तकनीक के कारण यह जयपुर के सबसे पसंदीदा वास्तु शिल्प प्रतीकों में से एक है।

असली हवा महल इस प्रतिकृति से लगभग 2 गुना ऊंचा है।

इसके निर्माण में 14 टन वेस्ट उपयोग किया गया।

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

हम्पी रथ, हम्पी, कर्नाटक, भारत

निर्माण- 16वीं शताब्दी ईस्वी

विरुपाक्ष मंदिर परिसर में स्थित पत्थर से तराशा गया यह रथ, विजय नगर साम्राज्य की अदभुत शिल्पकारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। राजा कृष्णदेव राय जैसे महान शासकों के अधीन हम्पी कभी एक समृद्व शाही राजधानी हुआ करती थी जिसे 1565 में तालीकोटा के युद्व के बाद काफी नुकसान पहुंचा। इसके बावजूद यह रथ इस क्षेत्र की वास्तुकला की भव्यता और सांस्कृतिक विरात के शक्तिशाली प्रतीक के तौर पर खड़ा है और हम्पी की ऐतिहासिक पहचान दर्शाता है।

असली हम्पी का रथ इस प्रतिकृति से लगभग 1.3 गुना ऊंचा है।
इसके निर्माण में 13 टन वेस्ट का उपयोग किया गया।

लाल किला, दिल्ली, भारत

निर्माण- 17वीं शताब्दी ईस्वी के मध्य में

लाल किला लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है और 23 मीटर ऊंची विशाल दीवारों से घिरा हुआ है। इन दीवारों के पीछे कभी आलीशान महल, सभा कक्ष, बगीचे और भव्य दीवान ए आम तथा दीवान ए खास हुआ करते थे। सम्राट शाहजहां द्वारा शाहजहांबाद के केंद्र के रुप में निर्मित यह किला लगभ 200 वर्षों तक मुगल शासकों का मुख्य निवास स्थान रहा। आक्रमणों और समय के थपेड़ों के बावजूद यह किला आज भी मुगल वास्तुकला की भव्यता को दर्शाता है। साल 2007 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्ि◌ल घोषित किया गया था। यह भारत के इतिहास का एक जीवंत प्रतीक है और साल यहां स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाता है।

असली लाल किले की दीवारें इस प्रतिकृति से लगभग 5 गुना ऊंची हैं।
इसमें 12 टन वेस्ट उपयोग किया गया।

एफिल टावर, पेरिस, फ्रांस

निर्माण- 1889 ईस्वी में पूर्ण

एफिल टावर का निर्माण फ्रांसीसी क्रांति के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया था। 330 मीटर की ऊंचाई के साथ यह 1930 तक दुनिया की सबसे ऊंची मान निर्मित संरचना थी। इस टावर का इंजीनियर गुस्ताव एफिल द्वारा लोहे की जाली के डिजाइन में बनाया गया था। यह चार घुमावदार स्तंभों पर खड़ा है जो मजबूत क्षैतिज बीम से जुड़े हुए हैं। यह फ्रांस की वास्तुकला की उत्कृष्टता का प्रतीक होने के साथ साथ दुनिया के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है।

असली एफिल टावर इस प्रतिकृति से लगभग 110 गुना ऊंचा है।
उपयोग किया गया वेस्ट 450 किलो

ताजमहल, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

निर्माण- 1631 से 1653 ईस्वी

मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा मुमताज महल की याद में निर्मित ताजमहल सफेद संगमरमर से बना एक मकबरा है। यह भारतीय और मुगल वास्तुकला का एक आदर्श मिश्रण है। इसमें एक विशाल केंद्रीय गुंबद, चार मीनारें, बगीचे, सुंदर तालाब और दो मस्जिदें हैं। इस संरचना को पूरा करने में 21 साल से अधिक समय और हजारों कुशल कारीगर लगे थे। यमुना नदी के तट पर 17 हैक्टेयर के बगीचों में स्थित ताजमहल पूरी दुनिया में अमर प्रेम के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और भारत के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक है।

असली ताजमहल इस प्रतिकृति से लगभग 23 गुना ऊंचा है।
उपयोग किया गया वेस्ट- 800 किलो

हरित न्याय के प्रहरी : ग्रीन जजमेंट ऑफिसर- मांगेराम चौहान

उत्तर प्रदेश के आवास विकास परिषद, बरेली ज़ोन में उप आयुक्त के पद पर कार्यरत पीसीएस अधिकारी श्री मांगेराम चौहान आज प्रशासनिक जगत में एक विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान ने उन्हें समाज में "Son of Nature", "पर्यावरण संत", "धरती पुत्र" एवं "Man of Greenery" जैसी सम्मानजनक उपाधियाँ दिलाई हैं।

प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित मासिक पत्रिका "प्रकृति दर्शन" ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी अनूठी सोच और कार्यशैली को देखते हुए उन्हें "Green Judgement Officer" (ग्रीन जजमेंट ऑफिसर) की उपाधि से सम्मानित किया है।

जब न्याय व्यवस्था जुड़ी प्रकृति से : मांगेराम चौहान का अभिनव हरित अभियान :

एसडीएम पद पर रहते हुए श्री मांगेराम चौहान ने पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी अभियान तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास किया। उन्होंने न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए कई अभिनव पहल की हैं। जमानत लेने वाले व्यक्तियों को वृक्षारोपण से जोड़ना, पौधों की देखभाल को सामाजिक जिम्मेदारी बनाना तथा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना उनके कार्यों की विशेष पहचान रही है।

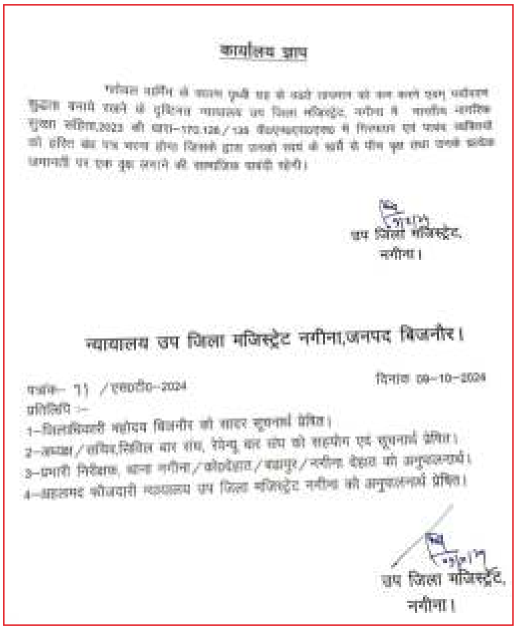

कार्यालय ज्ञाप

[illegible]

उप जिला मजिस्ट्रेट,
नगीना।

न्यायालय उप जिला मजिस्ट्रेट नगीना,जनपद बिजनौर।

पत्रांक- 71 /एस०डी०-2024 दिनांक 09-10-2024

प्रतिलिपि :-

1-जिलाधिकारी महोदय बिजनौर को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

2-अध्यक्ष/सचिव,सिविल बार संघ, रेवेन्यू बार संघ को सहयोग एवं सूचनार्थ प्रेषित।

3-प्रभारी निरीक्षक, थाना नगीना/कोतवाली देहात/बढ़ापुर/नगीना देहात को अनुपालनार्थ।

4-अहलमद फौजदारी न्यायालय उप जिला मजिस्ट्रेट नगीना को अनुपालनार्थ प्रेषित।

उप जिला मजिस्ट्रेट,
नगीना।

उनकी प्रेरणा से हजारों पौधे लगाए गए और अनेक विद्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा सामाजिक संस्थाओं ने हरियाली अभियान को अपनाया। उन्होंने यह संदेश दिया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा एवं पालन-पोषण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उनके प्रयासों से कई क्षेत्रों में "हरित पंचायत" एवं सामुदायिक हरित वातावरण विकसित हुआ,

IRNI- UPHIN/2018/76392 ISSN : 2581-8392 www.prakritidarshan.com

जिसने ग्रामीण स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की नई सोच को जन्म दिया।

श्री चौहान ने युवाओं, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए यह साबित किया कि एक संवेदनशील प्रशासनिक अधिकारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर उनके निर्णयों और अभियानों की चर्चा विभिन्न समाचार पत्रों एवं सामाजिक मंचों पर लगातार होती रही है।

उनकी सोच स्पष्ट है —

"यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानव जीवन सुरक्षित रहेगा।"

न्याय व्यवस्था से हरित क्रांति तक :

पर्यावरण संरक्षण पर "प्रकृति दर्शन" एवं मांगेराम चौहान की साझा सोच : यदि भारत सरकार का विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा राज्य सरकारें न्यायिक व्यवस्था में जमानत (Bail), गवाहों (Witness) अथवा सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े मामलों में वृक्षारोपण एवं पौधों की देखभाल को एक वैकल्पिक सामाजिक दायित्व अथवा प्रोत्साहनात्मक शर्त के रूप में नीति स्तर पर शामिल करे, तो यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो सकता है। इस प्रकार की नीति न केवल जनसहभागिता को बढ़ाएगी, बल्कि बड़े स्तर पर वृक्षारोपण एवं संरक्षण को गति देकर पृथ्वी के बढ़ते तापमान एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को नियंत्रित करने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और पर्यावरण संकट जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब मांगेराम चौहान जैसे अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर सामने आ रहे हैं। उनका जीवन और कार्यशैली यह संदेश देती है कि प्रशासनिक शक्ति का उपयोग केवल व्यवस्था संचालन के लिए नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के संरक्षण के लिए भी किया जा सकता है।

"प्रकृति दर्शन" पत्रिका श्री मांगेराम चौहान के पर्यावरणीय योगदान को नमन करती है और आशा करती है कि देश के अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाएंगे।

(प्रकृति दर्शन फीचर)

"हर स्कूल हरियाली"

प्रकृति एवं पर्यावरण केंद्रित मासिक पत्रिका "प्रकृति दर्शन" का हरित अभियान

कोविड-19 महामारी के बाद जब सम्पूर्ण विश्व ने स्वच्छ वातावरण, हरियाली एवं स्वास्थ्य के महत्व को गहराई से महसूस किया, उसी समय प्रकृति एवं पर्यावरण केंद्रित मासिक पत्रिका "प्रकृति दर्शन" ने हरित अभियान "हर स्कूल हरियाली" की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर नीम एवं आंवला जैसे पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए उपयोगी पौधों का व्यापक पौधारोपण करना है। इस अभियान में स्थानीय सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग भी लिया जा रहा है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाई जा सके।

इस प्रेरणादायक अभियान की शुरुआत उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के विकास खंड कुन्दरकी स्थित "उच्च प्राथमिक विद्यालय बहापुर" से हुई, जहाँ विद्यालय के प्रभारी शिक्षक श्री अतुल त्यागी जी एवं उनके सहयोगी शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण कर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। "गोपाल दत्त शिक्षण समिति (GDSS NGO)" ने भी इस अभियान में सक्रिय सहयोग देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोविड के बाद बच्चों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्वच्छ वातावरण तैयार करने एवं विद्यालय परिसर को हरित बनाने की सोच के साथ विद्यालय में नीम एवं आंवला के पौधे लगाए गए। शिक्षकों , विद्यार्थियों द्वारा पौधों की नियमित देखभाल की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप आज विद्यालय का वातावरण पूर्णतः हरित एवं स्वच्छ दिखाई देता है। यह विद्यालय अब एक "ग्रीन स्कूल कैम्पस" के रूप में विकसित हो चुका है और अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

प्रकृति दर्शन पत्रिका की सम्पूर्ण सम्पादकीय टीम श्री अतुल त्यागी जी के उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी सकारात्मक सोच की सराहना करती है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है, बल्कि प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का भी ज्ञान मिल रहा है।

हम विद्यालय के समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगी संस्थाओं को इस सराहनीय कार्य के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद देते हैं। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की उचित देखभाल करना भी अत्यंत आवश्यक है और इस विद्यालय ने यह कार्य सफलतापूर्वक कर दिखाया है।

प्रकृति दर्शन की टीम जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से विनम्र अनुरोध करती है कि ऐसे प्रेरणादायक शिक्षकों, कर्मचारियों एवं

विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और अन्य संस्थाएँ भी इस अभियान से प्रेरित हों। हमारी पत्रिका भी आगामी कार्यक्रमों में ऐसे पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित करेगी।

हम प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अपील करते हैं कि वे "प्रकृति दर्शन" पत्रिका के साथ स्वेच्छा से जुड़कर "हर स्कूल हरियाली" अभियान को जन-जन तक पहुँचाएँ।

प्रकृति दर्शन पत्रिका इस अभियान से जुड़े विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं (NGOs) की प्रेरणादायक गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित करेगी। साथ ही ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने वाले NGOs एवं संस्थानों को CSR Grants, पर्यावरणीय अनुदान एवं अन्य सामाजिक सहयोग योजनाओं से जोड़ने एवं प्रोत्साहित करने हेतु भी सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे, ताकि हरित भारत के इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाया जा सके।

हमारा स्पष्ट संदेश है —

"हरित विद्यालय ही स्वस्थ, स्वच्छ एवं ऊर्जावान भविष्य की पहचान है।"

आइए, हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें और प्रत्येक विद्यालय को हरियाली से भर दें। उच्च प्राथमिक विद्यालय बहापुर, ब्लॉक कुन्दरकी, जनपद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश की नवीनतम हरित तस्वीरों का आनंद लें और इस प्रेरणादायक पहल का हिस्सा बनें।

(प्रकृति दर्शन फीचर)

मार्ग भी दमके, बीच रोड हरियाली

हरित, सुकून और सुरक्षित भरे मार्ग मुरादाबाद विकास के साथ ही मुख्य मार्गों को भी हरा भरा, सुकून भरा और सुरक्षित बनाया गया है। यहां मार्गों के बीच डिवाइडर बनकर उनमें हरियाली के लिए पौधे रोपे गए और खुशी की बात यह है कि नगर निगम द्वारा उन मार्गों के बीच लगाए गए पौधों में टैंकर के माध्यम से रोज पानी दिए जाने का कार्य किया जाता है।

“मार्गों के सौंदर्यीकरण के लिए रोड किनारे हमारे देश के सैनिकों की शौर्य गाथा कहने वाली वॉल बनाकर उन पर उनका वर्णन किया गया है।”

“दिल्ली रोड पर सांई हॉस्पीटल के सामने वाले हिस्से में रोड किनारे ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई गई वीरता की याद ताजा हो जाती है।”

“नजदीक ही हमारे मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जी की याद ताजा हो जाती है, उनके ज्ञान से भारत मिसाइल के क्षेत्र में अतुलनीय कामयाबी तक पहुंचा।”

RNI- **UPHIN/2018/76392** ISSN : **2581-8392** www.prakritidarshan.com

उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल का हरित कैंपस

मुरादाबाद विकास की राह पर अग्रसर है, नगर में हरियाली को लेकर भी काफी काम किया जा रहा है, बात शहर के बीचोंबीच स्थित रेलवे परिसर की हो तो यहां गहरा सुकून पहुंचाने वाली हरियाली आपको नजर आती है। यह सब रेलवे के प्रयासों का नतीजा है जो यहां इसे अच्छे से मेंटेन किया गया है। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल का हरित कैंपस देखने काबिल है।

हरियाली देखकर आप समझ सकते हैं यहां झुलसती गर्मी में छांव भी है और गहरी राहत भी।

मुरादाबाद के सुनियोजित विकास का संकल्प

सुनियोजित विकास के संकल्प के साथ मुरादाबाद में कार्य हो रहे हैं, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से भेंट करते नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल जी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट कर भगवान श्रीराम जी की प्रतिमा भेंट करते नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल, साथ हैं प्रिया अग्रवाल।

मुरादाबाद विकास के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट करते नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल जी।

संविधान साहित्य वाटिका के अवलोकन के दौरान उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ समूह फोटोग्राफ। इस दौरान तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, नगर विधायक श्री रितेश गुप्ता, नगर निगम मुरादाबाद के महापौर श्री विनोद अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री दिव्यांशु पटेल, प्रिया अग्रवाल एवं अन्य मौजूद थे।

प्रकृति दर्शन

राष्ट्रीय पत्रिका

PRGI / RNI मान्यता प्राप्त पत्रिका

IIT गुवाहाटी द्वारा मिशन भाषिनी हेतु मान्यता प्राप्त

www.prakritidarshan.com

न्यू सेंस

मार्केटिंग सर्विसेज प्रा. लि.

कंसल्टिंग. मीडिया. एजुकेशन. ग्रोथ.

मई 2026 से

विशेष अंक श्रृंखला प्रारम्भ

पर्यटन | पर्यावरण | सामाजिक सेवा | प्रेरणादायक PR स्टोरी

क्या आपकी संस्था, विभाग, उद्योग या व्यक्तिगत कार्य प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के हित में कार्य कर रहा है?

अब अपने कार्यों को दिलाएं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान।

पर्यटन | पर्यावरण | NGO कार्य | PR स्टोरी

प्रकाशित क्यों करें अपनी कहानी?

- NGO की उपलब्धियां प्रकाशित करें
- पर्यावरण संरक्षण कार्यों को राष्ट्रीय मंच दें
- सरकारी विभाग एवं उद्योगों की हरित पहल को प्रचारित करें
- सामाजिक एवं प्रेरणादायक व्यक्तियों की सफलता कहानी प्रकाशित करें
- पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी विशेष रिपोर्ट प्रकाशित करें

प्रकृति दर्शन के साथ जुड़ने के लाभ

- राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार
- प्रतिष्ठित PRGI / RNI मान्यता प्राप्त पत्रिका
- IIT गुवाहाटी मिशन भाषिनी से मान्यता प्राप्त
- किफायती एवं प्रभावी PR स्टोरी पैकेज
- प्रोफेशनल डिजाइन एवं आकर्षक प्रकाशन

अभी बुक करें अपनी PR STORY @ किफायती मूल्य पर

और भेजें अपनी संस्था / विभाग / उद्योग / व्यक्तिगत कार्य की जानकारी एवं उच्च गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ।

ग्रीन व्यवसाय, सतत पहल और यात्रा प्रेमियों के लिए सुनहरा अवसर!

ग्रीन वेडिंग रिसॉर्ट

अपने इको-फ्रेंडली वेडिंग रिसॉर्ट, ग्रीन हॉस्पिटेलिटी और सतत सेवाओं का प्रचारे पत्रिका नीं PR स्टोरी और विज्ञापन के माध्यम से पहचान बढ़ाएं।

सोलर या रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियां

अपने प्रोडक्ट्स का प्रचार करें, PR स्टोरी प्रकाशित करें, -नवाचार एवं योजनाओं को -राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाएं।

यात्रा प्रेमी

क्या आप एक ट्रैवल ब्लॉगर, टूर ऑपरेटर या ट्रैवल कम्पनी हैं? अपने यात्रा अनुभव, इको-टूर और आध्यात्मिक यात्राओं की PR स्टोरी प्रकाशित करें।

अपना व्यवसाय PR स्टोरी और विज्ञापन के माध्यम से हमारी पत्रिका में प्रकाशित कराएं और देशभर के पाठकों तक पहुंचाएं!

आज ही संपर्क करें!

+91 9411229553

consulting@newsensepvtltd.com

support@prakritidarshan.com

www.prakritidarshan.com

आपका कार्य बनेगा देशभर में प्रेरणा का संदेश

देखा जाए. पहचाना जाए. बने प्रेरणा का कारण.

अपनी कहानी प्रकाशित करें. फर्क पैदा करें.

NEW SENSE
MARKETING SERVICES PVT. LTD.

Consulting. Media. Education. Growth.

1000+ Newspapers & Magazines Collaboration

Your Vision. Our Expertise. Positive Impact.

We are a trusted name in Media, Publishing, PR, Advertising, and Consulting Services with strong collaboration across **1000+** Newspapers and Magazines nationwide.

1. **Collaboration with 1000+ Newspapers & Magazines**
   For Publicity, Advertisement & Publishing PR Stories.
2. **Your Work, Our Presentation**
   For Maximum Reach & Positive Impact.
3. **Annual Work Booklet Development**
   We develop and design Annual Work Booklets for your Institution or Department.
4. **Publish Special Issues**
   We publish Special Issues in a unique & impactful way.
5. **Biography Writing & Book Publishing**
   Our expert writers craft your biography & we publish your Biography Book with ISBN.
6. **Publish in Our Popular Magazines**
   Get published in our magazines – "PRAKRITI DARSHAN" | "AGRI PULSE PATRIKAA" | "GLOBAL IMPACT REVIEW"
   Publicity at National Level through our strong collaborators across 1000+ Media platforms.
7. **Social Media Campaign Management**
   We manage and run sponsored Social Media Campaigns that can change the vision of public and departments.
8. **Magazine Design & Development**
   We can develop and design your own Magazine as per your vision and goals.
9. **Trust Deed Draft & NGO Registration**
   Unique Trust Deed Drafting and NGO Registration Consulting Services.
10. **Compliance Services**
    We provide NGO and Newspaper/Magazine Compliance Services and more.

Why Choose Us?

- Extensive Media Network
- Creative & Professional Team
- Timely Execution
- Result-Oriented Approach
- End-to-End Solutions under One Roof

Mobile No. 9411229553

Website: www.newsensepvtltd.com

E-mail: consulting@newsensepvtltd.com

Let's Connect, Collaborate & Create a Lasting Impact Together.

NEW SENSE
BETTER IMPACT
BRIGHTER FUTURE